TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | ताजमहल की खूबसूरती पर फ़िदा हुई कंगना रनौत..... (पेज-3) | पृष्ठ- 6 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | सोमवार | दिनांक- 23.11.2026

'50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए'

पीएम मोदी बोले- कुछ लोगों को सच मानने में हिचक

एजेंसी, नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया है कि देश में 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं, लेकिन कुछ लोग इस उपलब्धि को स्वीकार करने में अब भी हिचक रहे हैं। उन्होंने रविवार को गुजरात में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ दिवाली के बाद आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए यह बात कही। उनका इशारा विपक्ष की ओर था। पीएम मोदी ने कहा कि गरीबी कम करने की यह उपलब्धि उनकी सरकार की नीतियों और प्रयासों का परिणाम है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट का दिया हवाला

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विश्व बैंक की रिपोर्ट का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में जिन लोगों ने अपना जीवन समर्पित किया और जेलों में अपनी जवानी बिताई, उनकी आत्मा भी आज यह रिपोर्ट देखकर सबसे ज्यादा खुश होगी कि आखिरकार उनके देश से गरीबी दूर हो रही है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 2011 में 27.1 प्रतिशत थी, जो 2023 में घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। इस दौरान अनुमानित 49.6 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर आए। मोदी ने इसे 50 करोड़ लोगों के गरीबी से बाहर आने की उपलब्धि बताया।

बोले- कुछ लोगों को यह उपलब्धि स्वीकार करने में हिचक

पीएम मोदी ने कहा कि हजार साल की गुलामी ने देश को आर्थिक रूप से कमजोर कर दिया था। ऐसे में 50 करोड़ लोगों का गरीबी से बाहर आना बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि जीवन में इससे बड़ा संतोष और कोई नहीं हो सकता।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें पता है कि कुछ लोगों को इस उपलब्धि को खुले तौर पर स्वीकार करने में अब भी हिचक होती है। इसकी वजह यह है कि यह सब मौजूदा सरकार के कार्यकाल में हुआ है। उन्हें यह पसंद हो या न हो, लेकिन सरकार को इस बात का संतोष है कि उसकी मेहनत रंग लाई है।

पीएम बोले- हमारी नीयत, नीति और दिशा सही थी

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की नीयत सही थी, नीति सही थी और दिशा भी सही थी। मेहनत में कोई कमी नहीं छोड़ी गई। उन्होंने इस उपलब्धि को देश के नागरिकों के जीवन में नए अध्याय की शुरूआत बताया। पीएम मोदी ने कहा कि आने वाली पीढ़ियां देश का स्वर्णिम काल देखेंगी।

गुजरात में 182 विधानसभा क्षेत्रों में हुआ कार्यक्रम

भाजपा ने गुजरात की सभी 182 विधानसभा सीटों पर दिवाली के बाद स्नेह मिलन कार्यक्रम



आयोजित किया था। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये इन कार्यक्रमों में शामिल कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपने घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री का संबोधन सुना।

गुजरात में मुख्यमंत्री बनने के 25 साल पूरे होने का किया जिक्र

पीएम मोदी ने कहा कि इस साल की दिवाली उनके लिए खास रही, क्योंकि अक्तूबर 2001 में गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के 25 साल पूरे हुए। उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं की कई पीढ़ियों के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के सहयोग और मेहनत से ही उन्हें गुजरात और देश की सेवा करने का अवसर मिला।

भूकंप पीड़ित परिवारों के साथ मनाई थी पहली दिवाली

प्रधानमंत्री ने वर्ष 2001 में गुजरात में आए विनाशकारी भूकंप को याद किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उनकी पहली दिवाली भूकंप से प्रभावित परिवारों के बीच बीती थी। उस समय उन्होंने और मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों ने दिवाली नहीं मनाने का फैसला किया था। वे कच्छ, जामनगर और अन्य प्रभावित इलाकों के गांवों में गए और उन परिवारों से मिले, जिन्होंने भूकंप में अपने परिजनों को खोया था।

पीएम मोदी ने कहा कि उस दिन उनका विश्वास और मजबूत हुआ कि त्योहारों की असली खुशी दूसरों के जीवन में उम्मीद का दीप जलाने में है। उन्होंने कहा कि गुजरात में लोगों की भागीदारी और सामूहिक प्रयासों ने भूकंप की तबाही से उबरने में बड़ी भूमिका निभाई। इसी के दम पर कच्छ उम्मीदों का नया केंद्र बना और पुनर्निर्माण का काम पूरे राज्य में आगे बढ़ा।

व्यापार से सेमीकंडक्टर और ग्रीन एनर्जी तक पहुंचा गुजरात

पीएम मोदी ने गुजरात के विकास का जिक्र करते हुए कहा कि एक समय राज्य की पहचान मुख्य रूप से व्यापार से थी। लेकिन अब गुजरात ने खेती, डेयरी, उद्योग, सेमीकंडक्टर, पेट्रोकेमिकल, ऑटोमोबाइल और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है।उन्होंने कहा कि गुजरात की आर्थिक प्रगति ने देश के विकास में बड़ा योगदान दिया है। मुख्यमंत्री रहते हुए उनका नारा था कि गुजरात का विकास ही देश का विकास है। आज राज्य की प्रगति इस सोच को आगे बढ़ा रही है।

अकाल के दिनों में गरीबों के लिए घर-घर जुटाते थे सुखड़ी: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने वर्ष 2001 के आसपास गुजरात के मुश्किल दिनों को याद किया। उन्होंने कहा कि उस समय राज्य में सूखा, पलायन और पशुओं के लिए चारे की कमी जैसी समस्याएं थीं। भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर सुखड़ी इकट्ठा करते थे और इसे गरीब परिवारों तक पहुंचाते थे, ताकि उन्हें जरूरी पोषण मिल सके। पशुओं के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों से चारा मंगाया जाता था और उनके लिए शिविर लगाए जाते थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जनभागीदारी के कारण गुजरात इन मुश्किल हालात से बाहर निकल सका। उन्होंने पानी बचाने और चेकडैम बनाने के अभियानों का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक, ये अभियान धीरे-धीरे जनआंदोलन बन गए और इससे राज्य में पानी की स्थिति बदलने में मदद मिली।

दलितों, आदिवासियों और महिलाओं तक पहुंचाई योजनाएं: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार ने इन सवालों के बावजूद एक के बाद एक योजनाएं बनाईं और उन्हें जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि बैंक खाते न होने वालों में दलित, आदिवासी, वंचित और गरीब परिवारों के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं।

उन्होंने बताया कि इन परिवारों को बैंक खाते, गैस कनेक्शन, बिजली कनेक्शन और आयुष्मान कार्ड जैसी सुविधाएं दी गईं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास था कि हर योजना का लाभ कतार में खड़े आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने इसे सामाजिक न्याय का वास्तविक उदाहरण बताया।

अगले 20 साल में गुजरात और आगे बढ़ेगा: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं से दल से ऊपर देश के हित को रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि गुजरात में सामाजिक एकता और सद्भाव का जो माहौल बना है, वह राज्य के साथ पूरे देश की प्रगति में मदद करेगा। पीएम मोदी ने भरोसा जताया कि गुजरात आने वाले 20 वर्षों में पिछले 25 साल की तुलना में कहीं अधिक प्रगति करेगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल एक नारा नहीं है, बल्कि इसके लिए चरणबद्ध योजना और रोडमैप तैयार किया गया है। विकसित भारत के निर्माण में गुजरात को बड़ी भूमिका निभानी है।

अरुणाचल में विकास की अनदेखी की गई: अमित शाह

कांग्रेस पर लगाए आरोप, बोले- जरूरत के मुताबिक फंड नहीं दिया

एजेंसी, नई दिल्ली।



अरुणाचल प्रदेश में विकास और केंद्र से मिलने वाली आर्थिक मदद को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में राज्य के विकास की अनदेखी हुई और उसे पर्याप्त आर्थिक सहायता नहीं दी गई। शाह ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले 10 वर्षों में अरुणाचल प्रदेश को मिलने वाली आर्थिक मदद में बड़ी बढ़ोतरी की है। उनके मुताबिक, केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर को विकास की प्राथमिकता में रखा है। शाह ने ईटानगर में एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस के शासनकाल और मौजूदा सरकार के समय मिले फंड की तुलना करते हुए अपनी बात रखी।

कांग्रेस के मुकाबले केंद्र ने कितना बढ़ाया अरुणाचल का फंड?

अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के 2004 से 2014 के कार्यकाल में अरुणाचल प्रदेश को केंद्र से कुल 33,530 करोड़ रुपये मिले थे। वहीं, 2014 से 2024 के बीच भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने राज्य को 1,64,664 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी। शाह के मुताबिक, इस दौरान राज्य को मिलने वाले कर के हिस्से में चार गुना और अनुदान में 18 गुना बढ़ोतरी हुई। उन्होंने कहा कि राज्य का बजट भी करीब 12,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 36,000 करोड़ रुपये हो गया है। शाह ने इन आंकड़ों को केंद्र सरकार की विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया।

सीमावर्ती गांवों में विकास और पलायन रोकने के लिए क्या किया गया?

शाह ने वाइब्रेंट विलेजेज कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सीमावर्ती गांवों को देश के आखिरी गांव के बजाय पहला गांव बताया है। उनका कहना था कि विकास की शुरूआत सीमा से होनी चाहिए और वहां रहने वाले लोगों को बिजली, स्कूल, दूसरी बुनियादी सुविधाएं और रोजगार के अवसर मिलने चाहिए। शाह के मुताबिक, इस कार्यक्रम से अरुणाचल प्रदेश के करीब 40 गांवों में पलायन का रुख बदला है और लोग वापस लौटे हैं। इससे इन गांवों की आबादी भी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में पूर्वोत्तर में सड़क, रेल और हवाई संपर्क का तेजी से विस्तार हुआ है। अब क्षेत्र की किसी भी राज्य राजधानी को बेहतर संपर्क से वंचित नहीं कहा जा सकता। शिक्षा, उद्योग, युवाओं के रोजगार और पर्यटन को भी विकास की प्राथमिकता में रखा गया है। शाह ने कहा कि विकास के साथ स्थानीय संस्कृति को बचाना और लोगों का जीवन स्तर सुधारना भी जरूरी है।

सहकारी समितियों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की क्या योजना है?

केंद्रीय सहकारिता मंत्री शाह ने कहा कि अब स्थानीय लोगों की कृषि उपज, दूध, अंडे और सब्जियां गांवों की सहकारी समितियों के जरिए खरीदी जा रही हैं। पहले इन चीजों को तेजपुर या गुवाहाटी से लाया जाता था। उन्होंने बताया कि महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियां सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) को ये उत्पाद उपलब्ध करा रही हैं। इससे गांवों की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है और स्थानीय लोगों का सुरक्षा बलों से जुड़ाव भी बढ़ रहा है। शाह ने अरुणाचल प्रदेश में दूध, मांस और मछली का उत्पादन बढ़ाने की अपील की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अमूल और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) राज्य में उत्पादित पूरे दूध की खरीद करेंगे। उनके मुताबिक, राज्य में 185 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों, 52 डेयरी सहकारी समितियों और 43 मछली पालन केंद्रों से 50 हजार से अधिक लोग जुड़े हैं। उन्होंने जलविद्युत परियोजनाओं के जलाशयों में मछली पालन को भी बढ़ावा देने का सुझाव दिया।

'धर्म की समझ ही नहीं': राहुल गांधी का भाजपा-आरएसएस पर प्रहार

एजेंसी, नई दिल्ली।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने एलिफेंटा की गुफाओं में बनी भगवान शिव और माता पार्वती की संयुक्त प्रतिमा (अर्धनारीश्वर स्वरूप) की तस्वीर साझा करते हुए दोनों संगठनों को असभ्य, लालची, जातिवादी और पुरुषवादी बताया। राहुल का कहना है कि इन संगठनों को भारत की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं की कोई समझ नहीं है।

राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस के बारे में क्या कहा?

राहुल गांधी ने रविवार को एक्स



पर अपनी पोस्ट में भाजपा और आरएसएस को निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा, 'मैं भारतीय आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं को जितना गहराई से समझता जा रहा हूं, यह बात उतनी ही साफ होती जा रही है। भाजपा और आरएसएस असभ्य, लालची, जातिवादी और पुरुषवादी हैं। उन्हें हमारी आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं की बिल्कुल समझ नहीं है।' इस पोस्ट के साथ उन्होंने एलिफेंटा की गुफाओं में बनी भगवान शिव और माता पार्वती की संयुक्त प्रतिमा की तस्वीर भी साझा की। इसे अर्धनारीश्वर स्वरूप के रूप में जाना जाता है।

अर्धनारीश्वर की प्रतिमा का क्या अर्थ?

अर्धनारीश्वर हिंदू धर्म में भगवान शिव और माता पार्वती का संयुक्त स्वरूप है। इसमें एक ही प्रतिमा में आधा पुरुष और आधा स्त्री रूप दिखाया जाता है। इस स्वरूप में शिव और शक्ति को एक साथ दर्शाया गया है। राहुल गांधी ने इसी प्रतिमा की तस्वीर साझा कर अपनी बात रखी। उनके पोस्ट का संदर्भ भारतीय धार्मिक और आध्यात्मिक परंपराओं में स्त्री-पुरुष के संबंधों से जुड़ा है।

राहुल गांधी के बयान पर पहले क्या विवाद हुआ था?

राहुल गांधी पिछले सप्ताह अपनी मां सोनिया गांधी की किताब 'Belonging: A Journey Of Love' के विमोचन कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अपने माता-पिता के रिश्ते का जिक्र करते हुए कहा था कि खाने के समय पापा बैठे होते थे और उनकी गोद में मम्मा बैठी होती थीं। राहुल ने बताया कि बचपन में उन्हें यह सामान्य लगता था। लेकिन जब वह दोस्तों के घर जाते थे और उनके माता-पिता को इस तरह साथ नहीं देखते थे तो हैरान होते थे। उन्होंने दोस्तों से यह भी पूछा था कि उनकी मां उनके पिता की गोद में क्यों नहीं बैठतीं। राहुल ने आगे कहा था कि बाद में उन्होंने अपने परिवार के दो बड़े सहारों को खो दिया। पहले उनकी दादी इंदिरा गांधी की गोली मारकर हत्या कर दी गई और फिर उनके पिता राजीव गांधी की विस्फोट में मौत हो गई।

राहुल ने भाजपा समर्थकों को लेकर क्या कहा था और कांग्रेस ने उनका बचाव कैसे किया?

जवाबः माता-पिता के रिश्ते पर दिए बयान को लेकर विवाद बढ़ने के बाद राहुल गांधी ने पिछले मंगलवार को एक और पोस्ट की थी। इसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा और आरएसएस के समर्थकों के दिलों में डर, गुस्से और नफरत ने जाल बुन दिया है, जिसकी वजह से वे प्यार जाहिर नहीं कर पाते। उन्होंने कहा था कि एक सच्चे हिंदू के तौर पर उनका कर्तव्य है कि वे लोगों को इस जाल से बाहर निकालें, ताकि वे भी प्यार और अपनेपन की खूबसूरती महसूस कर सकें। अपनी पोस्ट के अंत में उन्होंने 'सत्यम शिवम सुंदरम' लिखा था। कांग्रेस ने भी राहुल का समर्थन करते हुए कहा था कि प्यार को छिपाने की जरूरत नहीं है, अपनापन कमजोरी नहीं है और बराबरी की शुरूआत अपने साथी को समान दर्जा देने से होती है।

राहुल के बचाव में उतरे थरूरः बोले- फलस्तीन को नए देश का अधिकार, इस्राइल को भी शांति का हक

नईदिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इस्राइल को लेकर दिए गए बयान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस फलस्तीन के लिए अलग देश की मांग और इस्राइल के शांति व सुरक्षा के साथ रहने के अधिकार, दोनों का समर्थन करती है। थरूर के मुताबिक, किसी भी पक्ष को दूसरे पक्ष के आम नागरिकों की हत्या करने का अधिकार नहीं है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब राहुल गांधी की इस्राइल के साथ भारत के रणनीतिक संबंधों और रक्षा खरीद जारी रखने की टिप्पणी को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। थरूर के मुताबिक, राहुल गांधी ने सात अक्तूबर को हुए हमले की निंदा की थी, जिसमें निर्दोष नागरिक मारे गए और घायल हुए थे। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने राहुल गांधी के रुख की आलोचना की थी।

यूपी चुनावः 40 पर्यवेक्षक परखेंगे भाजपा की चुनावी धार

एजेंसी, लखनऊ।

मिशन 2027 को सफल बनाने के लिए भाजपा चौतरफा फील्डिंग सजा रही है। पार्टी हर दो जिले के बीच एक पर्यवेक्षक उतारेगी, जो चुनावी तैयारियों को परखते हुए गांवों तक चौपाल लगाने की रणनीति बनाएंगे।

पर्यवेक्षकों में ऐसे लोगों का नाम शामिल किया गया है जो चुनाव और संगठन की राजनीति में लंबे समय तक रहे हैं, वहीं, दूसरे राज्यों से आए संगठन मंत्रियों ने छह क्षेत्रों में क्षेत्रीय एवं जिला टीमों के साथ बैठक शुरू कर दिया है।

मथुरा में 16 और 17 नवंबर को आयोजित योजना बैठक के साथ ही भाजपा ने जहां छह क्षेत्रों में चुनाव से कई माह पहले अलग-अलग राज्यों के संगठन मंत्री उतार दिए, वहीं पर्यवेक्षकों की भूमिका तय कर दी गई। अब वो जिला प्रभारियों, विधानसभा चुनाव प्रभारियों और विस्तारकों के साथ समन्वय रखते हुए गांवों में होने वाली चौपालों की रिपोर्ट प्रदेश और केंद्रीय टीम को देंगे।

इस बहाने पर्यवेक्षक भाजपा की चुनावी तैयारियों की समीक्षा कर रिपोर्ट तैयार करेंगे। पार्टी ने 403 विधान सभा सीटों पर ऐसे चेहरों को प्रभारी बनाया है जिनके पास संगठन में रहते हुए चुनाव लड़ाने का अनुभव है।

दिसंबर माह के अंदर गांवों में चौपाल लगाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाएं बताते हुए उन्हें सुशासन का स्मरण दिलाया जाएगा। भाजपा विशेष रूप से सपा की सरकारों का रिकॉर्ड चौपालों में भी रखेगी।

भारत-नीदरलैंड साझेदारी का दायरा बढ़ा: सेमीकंडक्टर, रक्षा और तकनीक तक पहुंचा सहयोग

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारत और नीदरलैंड के बीच रणनीतिक साझेदारी अब नए क्षेत्रों तक पहुंच रही है। दोनों देशों के बीच पहले जल प्रबंधन, कृषि और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में सहयोग था, लेकिन अब इसमें तकनीक, सेमीकंडक्टर, रक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा भी शामिल हो गए हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को नई दिल्ली में नीदरलैंड के विदेश मंत्री टॉम बेरेंडसन के साथ पहली रणनीतिक संवाद बैठक की सह-अध्यक्षता की। इस दौरान दोनों देशों के संबंधों की समीक्षा की गई और भविष्य में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

एस जयशंकर ने टॉम बेरेंडसन और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि इस साल



दोनों नेताओं की यह छठी मुलाकात है। उन्होंने इसे भारत और नीदरलैंड के बीच मजबूत होते रिश्तों का अच्छा संकेत बताया। जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीदरलैंड यात्रा के बाद दोनों देशों के संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा करने और आगे की दिशा तय करने के लिए यह बैठक अहम है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने अपने रिश्तों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया है और इसके लिए तैयार की गई रूपरेखा आगे बढ़ने का रास्ता दिखाती है।

जल प्रबंधन से आगे बढ़कर इन क्षेत्रों में हुआ सहयोग

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत और नीदरलैंड के बीच साझेदारी की शुरूआत मुख्य रूप से जल प्रबंधन से हुई थी। बाद में कृषि और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्र भी इसमें शामिल हुए। अब दोनों देश तकनीक, सेमीकंडक्टर, रक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे नए क्षेत्रों में भी मिलकर काम कर रहे हैं। जयशंकर ने बताया कि अगले साल भारत और नीदरलैंड के बीच राजनयिक संबंधों के 80 साल पूरे हो जाएंगे। उन्होंने नीदरलैंड में भारतीय समुदाय को मिल रहे सहयोग के लिए वहां की सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रवासी समुदाय और हिंदुस्तानी-सूरीनामी समुदाय दोनों देशों के बीच अहम कड़ी हैं।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते पर भी हुई चर्चा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के संबंधों में पिछले दो वर्षों के दौरान हुई प्रगति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत और ईयू के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) इस सहयोग का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके अलावा सुरक्षा और रक्षा साझेदारी भी अहम है। भारत चाहता है कि मुक्त व्यापार समझौता जल्द से जल्द लागू हो, जिससे दोनों पक्षों के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग को और आगे बढ़ाया जा सके।

यूक्रेन और खाड़ी क्षेत्र के हालात पर भी हुई बात

बैठक में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने अंतरराष्ट्रीय हालात पर भी विचार साझा किए। इस दौरान यूक्रेन संघर्ष, काला सागर की स्थिति और खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्ष के साथ उसके प्रभावों पर चर्चा हुई। जयशंकर ने कहा कि भारत और नीदरलैंड के सामने कई साझा चुनौतियां हैं। इनमें आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन प्रमुख हैं।

यूपी में अपराधों पर लगा लगामः 'योगी की पाती' युवा संवाद में गूंजा सुशासन का मुद्दा

एजेंसी, लखनऊ।



उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था में आए बदलाव, अपराधियों और माफिया नेटवर्क पर कार्रवाई तथा बुलडोजर नीति के प्रभाव को लेकर रविवार को लखनऊ में गोमतीनगर के 1090 चौराहे पर रविवार को फ्रेंड्स ऑफ योगी द्वारा एक विशेष यूथ डायलॉग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें 2017 से पहले और बाद की स्थिति की तुलना करते हुए योगी सरकार के निर्णायक नेतृत्व, अपराध नियंत्रण, अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई और तकनीक आधारित पुलिसिंग को बदलाव का आधार बताया गया।

2017 से पहले के अपराधी-राजनीतिक गठजोड़ पर उठे सवाल संवाद में 2017 से पहले अपराधी-माफिया नेटवर्क और राजनीतिक संरक्षण के गठजोड़ पर चर्चा हुई। पूर्व डीजीपी अरविंद कुमार जैन ने कहा कि पुलिस की सक्रियता, अपराधियों पर सख्त कार्रवाई और अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान से कानून का इकबाल मजबूत हुआ है। बुलडोजर कार्रवाई को अपराध व अवैध संपत्तियों के खिलाफ कठोर नीति का प्रतीक है। गुंडागर्दी पर सख्ती जरूरी है, ताकि अपराधियों में कानून का भय और समाज में स्पष्ट संदेश कायम हो।

एत्मादपुर में बसपा का शक्ति प्रदर्शन

- आकाश आनंद ने सर्वेश बघेल को घोषित किया प्रत्याशी, सपा-भाजपा और कांग्रेस पर साधा निशाना



❍ टीएनएफ टुडे, एत्मादपुर।

आगामी 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच रविवार, 22 नवंबर को आगरा के एत्मादपुर स्थित मॉडल स्कूल के मैदान में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने मंच से सर्वेश बघेल को एत्मादपुर (विधानसभा क्षेत्र-86) से पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया।

सपा, भाजपा और कांग्रेस पर तीखा प्रहार

जनसभा को संबोधित करते हुए आकाश आनंद ने विरोधी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'बी-टीम' करार देते हुए जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। प्रदेश की भाजपा सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि सरकार केवल विज्ञापनों और होर्डिंग्स में नंबर वन है और जनता के टैक्स के करोड़ों रुपये प्रचार में खर्च किए जा रहे हैं, जबकि अस्पतालों में सुरक्षा के इंतजाम तक नहीं हैं। उन्होंने प्रदेश में 13 लाख से अधिक सरकारी पद खाली होने और भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने के मुद्दे पर भी सरकार को आड़े हाथों लिया।

6 दिसंबर को लखनऊ पहुंचने का आह्वान

आकाश आनंद ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और युवाओं को पार्टी से जोड़ने की अपील की। साथ ही उन्होंने उपस्थित जनसमूह को आगामी 6 दिसंबर को लखनऊ पहुंचने का निमंत्रण दिया, जहां बसपा सुप्रीमो मायावती स्वयं कार्यकर्ताओं को अपना संदेश देंगी।

सम्मेलन में बड़ी संख्या में समर्थकों के उमड़ने से आगरा हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। सर्वेश बघेल की उम्मीदवारी के ऐलान के बाद स्थानीय कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।इस दौरान नीरज रावत खेरागढ़ प्रत्याशी, वीरू सुमन, सुमित सेन, केशव निमेष, पिंकी फौजी, संतोष आनंद, सहित बसपा नेता और हजारों की संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

उटंगन के बीहड़ में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पिनाहट। थाना बसई अरेला क्षेत्र के गांव मानिकपुरा निवासी एक युवक ने सोमवार दोपहर संदिग्ध परिस्थितियों में उटंगन नदी के बीहड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार गांव मानिकपुरा निवासी मुकेश (35) पुत्र मुन्नालाल रविवार दोपहर उटंगन नदी के बीहड़ में पहुंचा था। वहां संदिग्ध परिस्थितियों में उसने फांसी लगा ली। घटना की जानकारी होने पर परिजन मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत से पत्नी भूरी देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ताजगंज पुलिस के हत्थे चढ़े पांच बाइक चोर



❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।

थाना ताजगंज पुलिस ने बाइक चोरी की वारदातों पर कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की छह हीरो स्प्लेंडर प्लस बाइक, छह चाबियां और 400 रुपये बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बरहन क्षेत्र निवासी उदय, अजय, उपदेश, चन्द्र उदय और हिमांशू के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने पांचों आरोपियों को नगला मेवाती के पास से पकड़ा। पूछताछ और प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह के सदस्य पहले बाइक और आसपास के इलाके की रेकी करते थे तथा मौका मिलते ही विशेष चाबियों की मदद से लॉक खोलकर वाहन लेकर फरार हो जाते थे। आरोपियों की योजना चोरी की इन बाइकों को कम कीमत पर बेचने की थी।

जांच में पता चला है कि बरामद की गई बाइकें शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से चोरी की गई थीं, जिनमें फतेहाबाद रोड, ट्रांस यमुना, सदर बाजार और बरहन क्षेत्र शामिल हैं। पुलिस विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज चोरी के मुकदमों से बरामद वाहनों का मिलान कर रही है, ताकि घटनाओं और वास्तविक वाहन स्वामियों की पहचान सुनिश्चित की जा सके।

पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए आरोपियों के विरुद्ध पूर्व में भी चोरी के कई मुकदमे दर्ज हैं। उनके आपराधिक इतिहास की छानबीन के साथ ही गिरोह से जुड़े अन्य संभावित सदस्यों व वारदातों को लेकर जांच की जा रही है।

सियासी समर में उतरेगी नवरंग कांग्रेस, नौजवान-किसान-बेरोजगारों को मिलेगा रोजगार



❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।

नवरंग कांग्रेस अब सियासी समर में पूरी ताकत के साथ उतरने जा रही है। पार्टी का मुख्य संकल्प है - जनता की निःस्वार्थ सेवा, भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था और हर वर्ग को न्याय व सम्मान।

नवरंग कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हजरत अब्दुल करीम देसाई* ने रविवार को दिल्ली गेट स्थित होटर ईस्ट लाइट में पत्रकारों को उक्त जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि नवरंग कांग्रेस की स्थापना *12 अक्टूबर, 2018 को नई दिल्ली* में हुई थी। स्थापना के समय से ही पार्टी का उद्देश्य रहा है - शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय को सर्वोच्च प्राथमिकता देना।

पार्टी के प्रमुख संकल्प :

शिक्षा और रोजगार - सभी को मुफ्त शिक्षा, बिना भ्रष्टाचार के नियुक्ति, बेरोजगार नौजवानों को रोजगार, आईटी सिटी की स्थापना और युवाओं के उत्साह को बढ़ावा देना।

2. निःशुल्क स्वास्थ्य और आवास - सभी को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा, बेघरों को घरौंदा उपलब्ध कराना।

3. किसान और मजदूर के साथ - किसानों को 24 घंटे बिजली के लिए बिजली उत्पादन बढ़ाना, पानी का उचित बंटवारा, बाढ़ नियंत्रण, किसानों-मजदूरों के हितों की रक्षा।

4. भिक्षावृत्ति से रोजगार की ओर - मठ, मंदिर, गुरुद्वारा, मस्जिद, दरगाहों के सामने भिक्षा मांगकर जीवन निर्वाह करने वालों को सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराना।

5. भ्रष्टाचार उन्मूलन - रेलवे के निजीकरण को रोकना, राजस्व विभाग में सुधार, भ्रष्टाचार का पूर्ण उन्मूलन।

6. मित्र पुलिस - पुलिस को जनता का दुश्मन नहीं, बल्कि जनता का मित्र बनाना, सरकार और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय, यातायात व्यवस्था के लिए अधिक पुलिस बल, व्यस्ततम चौराहों पर अंडरपास व उपरिगामी सेतु और जगह-जगह रेल ओवरब्रिज का निर्माण, ताकि जाम से देश की अर्थव्यवस्था को हो रहे नुकसान को रोका जा सके।

7. समरस समाज - धर्म, जाति, प्रांत व भाषा के आधार पर कोई पक्षपात नहीं, बंटवारे को रोकना, झगड़े की जगह शांति स्थापित करना, विभिन्न सामाजिक संगठनों से समन्वय, प्रादेशिक भाषाओं को बढ़ावा देना और महिलाओं को नेतृत्व प्रदान करना।

गौरतलब है कि नवरंग कांग्रेस का संगठन *असम, कश्मीर, दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश* में सक्रिय है।

पत्रकार और अधिवक्ताओं को मिलेगी वरीयता

आजादी की लड़ाई में पत्रकारों और वकीलों के ऐतिहासिक योगदान को देखते हुए नवरंग कांग्रेस में संगठन और टिकट वितरण में जाति-धर्म से ऊपर उठकर पत्रकारों और अधिवक्ताओं को वरीयता दी जाएगी।

इनके लिए पार्टी में एक अलग *लीगल टीम* भी तैयार रहेगी, जो पत्रकारों और अधिवक्ताओं के बीच आपसी समन्वय बनाकर पत्रकारों को न्याय दिलाएगी और लोकतंत्र के चतुर्थ स्तम्भ की रक्षा करेगी।

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर के दूसरे दिन एनएसएस स्वयंसेवकों ने दिखाया दमख

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर के दूसरे दिन एनएसएस स्वयंसेवकों ने दिखाया दमख

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय और एनएसएस क्षेत्रीय निदेशालय (उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड), लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर (मध्य क्षेत्र)-2026 के दूसरे दिन रविवार को विविध शैक्षणिक, बौद्धिक, शारीरिक और सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गईं। छह राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने अनुशासन, राष्ट्रप्रेम और सांस्कृतिक समरसता का प्रभावशाली संदेश दिया।

दूसरे दिन की शुरूआत उत्तराखंड के स्वयंसेवकों की प्रभात फेरी के साथ हुई। इसके बाद योग सत्र में शारीरिक व मानसिक अभ्यास कराया गया और फिर परेड, कदमताल व ड्रिल का सघन अभ्यास हुआ। आयोजन समन्वयक डॉ. पूनम तिवारी के निर्देशन में बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण, आवास, भोजन व अन्य व्यवस्थाओं का संचालन किया जा रहा है।



बौद्धिक सत्र की अध्यक्षता एनएसएस क्षेत्रीय निदेशालय, लखनऊ के निदेशक समरदीप सक्सेना ने की, जबकि युवा अधिकारी राजेश तिवारी भी मौजूद रहे। मुख्य वक्ता मनोचिकित्सक डॉ. राघवेंद्र सिंह ने 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' विषय पर कहा कि स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त युवा शक्ति ही राष्ट्र के नवनिर्माण की आधारशिला है। उन्होंने युवाओं में नशे की प्रवृत्ति के मनोवैज्ञानिक कारणों और समाधान पर विस्तार से चर्चा की। विशिष्ट अतिथि सोमपाल सिंह चंद्र ने 'नैतिक मूल्य और युवा' विषय पर चारित्रिक दृढ़ता व नैतिक मूल्यों को समाज की प्रगति के लिए अनिवार्य बताया।

शाम को आयोजित सांस्कृतिक संध्या में छह राज्यों की लोककला और परंपराओं की रंगारंग झलक दिखी। मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा की ब्रज क्षेत्र मंत्री डॉ. सिमरन उपाध्याय रहीं। बिहार की प्रस्तुति से शुरू हुए कार्यक्रम में झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की टीमों ने पारंपरिक वेशभूषा, लोकनृत्य व संगीत के माध्यम से अपनी संस्कृति प्रस्तुत की। संचालन उत्तराखंड की टीम लीडर डॉ. प्रतिभा शाह व उनकी टीम ने किया। आयोजन में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजेश कुमार मिश्रा, कुमार प्रशांत भारती, गजेंद्र कुमार सिंह, डॉ. तपेश सरसोदिया और डॉ. एम. ए. अंसारी के साथ स्वयंसेवक कुरबान, शिवम सारस्वत, कादिर, उत्कर्ष व गुनगुन सक्रिय रहे।



मतदाता जोड़ो अभियान के तहत गांव बैमन पहुंचे सांसद राजकुमार चाहर

आगरा। मतदाता जोड़ो अभियान के अंतर्गत रविवार को फतेहपुर सीकरी के सांसद राजकुमार चाहर ने ब्लॉक अकोला के गांव बैमन स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय पहुंचकर बूथ संख्या 227, 228 एवं 229 पर मतदाता सूची में नए नाम शामिल कराने के अभियान का जायजा लिया। इस दौरान सांसद राजकुमार चाहर ने बीएलओ मोनिका रानी, वीरेंद्र सिंह एवं गोविंद नारायण के साथ बैठकर नए मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने का कार्य किया। उन्होंने पात्र युवाओं एवं छूटे हुए नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए फॉर्म-6 भरवाए तथा अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया। सांसद ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नाम होना आवश्यक है। मतदाता जोड़ो अभियान के माध्यम से कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे, इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

लौटती बारात पर घात लगाकर हमला, लाठी-डंडों और सरियों से पीटा, पांच लहूलुहान

आगरा। शादी की खुशियां उस समय दहशत में बदल गईं, जब टप्पल से लौट रही बारात के लोगों पर आगरा में घात लगाकर हमला कर दिया गया। बच्चों की सीट को लेकर बस में हुई मामूली कहासुनी ने ऐसा तूल पकड़ा कि सुबह करीब चार बजे विकास नगर में बघेल डेयरी के पास बारातियों को घेरकर लाठी-डंडों और लोहे की सरियों से बेरहमी से पीटा गया। अचानक हुए हमले में छत्रपाल, लोकेश, गौरव और योगेश समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है घटना थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र के शहदरा की है। बताया गया है कि बारात टप्पल से शादी समारोह संपन्न होने के बाद आगरा लौट रही थी। रास्ते में बस में बच्चों की सीट को लेकर विवाद हो गया। इसी बात पर बच्चों के पिता पवन और योगेश के बीच कहासुनी शुरू हो गई। दोनों के बीच विवाद बढ़ने पर एक-दूसरे को देख लेने की धमकी तक दी गई। उस समय मामला शांत होता दिखाई दिया, लेकिन विवाद ने आगे चलकर हिंसक रूप ले लिया। बस में हुई कहासुनी, रास्ते में तैयार बैठे थे हमलावर शहदरा चौकी प्रभारी हिमांशु सैनी के अनुसार, बारात से लौटते समय बस में बच्चों के बीच सीट को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद बच्चों के पिता पवन और योगेश आमने-सामने आ गए और दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद के दौरान एक पक्ष ने दूसरे को देख लेने की धमकी दी थी। इसी बीच बस से किसी व्यक्ति ने शहदरा में दूसरे पक्ष के लोगों को विवाद की जानकारी दे दी। रविवार सुबह करीब चार बजे जैसे ही बारात विकास नगर पहुंची, बघेल डेयरी के पास पहले से मौजूद लोगों ने बारातियों को घेर लिया। आरोप है कि हमलावरों ने बिना कोई मौका दिए लाठी-डंडों और लोहे की सरियों से हमला बोल दिया। अचानक हुए हमले से बारातियों में भगदड़ और अफरा-तफरी मच गई।

मौत के बाद भी खौफ का साया

पुलिस पहरे में हुआ विवाहिता का अंतिम संस्कार

❍ टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

शनिवार को इलाज के दौरान विवाहिता की मौत के बाद रविवार को गांव में पहुंच शव पुलिस की निगरानी में अंतिम संस्कार हुआ।

बताते चलें कि पिंकी पत्नी महावीर सिंह उम्र 40 वर्ष निवासी गढ़ी साबराय थाना फतेहाबाद की जहरीली दवा खाने से इलाज के दौरान मौत हो गई थी। जिसमें मायका पक्ष के द्वारा पुलिस को सूचना देकर पोस्टमार्टम कराया गया



था इसी दौरान ससुराल पक्ष के द्वारा मायका पक्ष के लोगों पर हमला कर मारपीट की गई थी जिसमें पांच लोग घायल हुए थे जहां रविवार को दोपहर 2:00 बजे के करीब आगरा से शव गांव पहुंचा

- जहरीली दवा खाने से इलाज के दौरान पिंकी की मौत, पोस्टमार्टम के बाद गांव पहुंचा शव
- अंतिम संस्कार से पहले भी अनहोनी का डर, थाने पहुंचा मायका पक्ष
- पुराने विवाद में मारपीट से सहमे परिजन, भारी पुलिस बल की निगरानी में अंतिम विदाई

लेकिन परिजन डर की वजह से शव को लेकर थाने पहुंचे तभी मामले की गंभीरता को लेकर प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्र के द्वारा दोपहर से ही गांव में बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात किया गया था लेकिन मायका पक्ष के लोगों के द्वारा अपने साथ अनहोनी की आशंका व्यक्त की जा रही थी तभी थाने से अतिरिक्त फोर्स के साथ शव को गांव में ले जाया गया और मृतका के शव का खेत पर अंतिम संस्कार किया गया।

नशे में धुत कार चालक की सामने से भिड़ी बस, मौत को छूकर निकले सवार!

- आधी रात बाह-फतेहाबाद मार्ग पर बस और कार की भीषण भिड़ंत
- आमने-सामने टक्कर के बाद मची अफरा-तफरी, दोनों वाहनों के सवार सुरक्षित
- कार चालक नशे में होने का आरोप, हादसे के बाद मौके से फरार



❍ टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

बाह-फतेहाबाद मार्ग पर लोहिया पेट्रोल पंप के सामने रविवार रात करीब 11 बजे बस और कार की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों वाहनों के चालक और सवारियां बाल-बाल बच गईं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात 11:00 बजे के करीब आगरा की तरफ से आ रही कार व बाह की तरफ से आ रही बस आपस में आमने-सामने टकरा गई बस को चालक प्रमोद कुमार पुत्र मोहरमन सिंह निवासी ग्राम जवासा मुरलीपुरा थाना भिंड मध्यप्रदेश बस भिंड मप्र से दिल्ली जा रही थी। वहीं कार चालक रोहित शर्मा पुत्र श्रीराम शर्मा निवासी कुतकपुर गोला थाना फतेहाबाद आगरा दिल्ली से जैतपुर जा रहे थे। तभी रात 11.00 बजे दोनों गाडियां आमने-सामने से टकरा गयी। कार चालक शराब के नशे में था। जो मौके से भाग गया पुलिस ने दोनों वाहनों को सड़क से हटाया गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई घायल नहीं हुआ।

शादी में गोलियां चलाकर बने हीरो, पुलिस ने उतारा रौब!

- डांस करते-करते पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर से बरसाईं गोलियां
- सोशल मीडिया पर फायरिंग का वीडियो वायरल, पिता-पुत्र दोनों पर मुकदमा
- पुलिस ने आरोपी बेटे को दबोचा, लाइसेंसी हथियार भी जब्त

फतेहाबाद। भाई की शादी में नाचते समय पिता की लाइसेंसी रिवाल्वर से फायरिंग करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने पिता-पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी पुत्र को हिरासत में लेकर लाइसेंसी हथियार जब्त कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा था, जिसमें एक युवक शादी समारोह में नाचते हुए रिवाल्वर से फायरिंग करता दिखाई दे रहा था। जिसको लेकर डीसीपी पूर्वी ने जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। थाना फतेहाबाद पुलिस ने जांच में पाया कि 20 नवंबर को गांव गढ़ी दरियाब निवासी ऋषभ पुत्र सुनील कुमार अपने भाई की शादी की रस्म के दौरान पिता की लाइसेंसी रिवाल्वर से अंधाधुंध फायरिंग कर रहा था। मामले में पुलिस ने ऋषभ और उसके पिता सुनील के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। जिसमें पुलिस ने



ऋषभ को गिरफ्तार कर शांतिभंग में पाबन्द किया गया है। एसीपी फतेहाबाद इमरान अहमद ने बताया कि युवक को हिरासत में लिया गया है और फायरिंग में इस्तेमाल किया गया लाइसेंसी हथियार जब्त कर लिया गया है। युवक और उसके पिता के खिलाफ मुकदमा दर्जकर आवश्यक कार्रवाई की गई है।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

खंदौली में दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन, ग्रामीण युवाओं ने दिखाया दमखम

कबड्डी और दौड़ में युवाओं ने मारी बाजी, ब्लॉक प्रमुख आशीष शर्मा ने किया शुभारंभ, कहा- खेलों से होता है सर्वांगीण विकास

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।



खंदौली क्षेत्र में मेरा युवा भारत, आगरा (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) की ओर से भगत सिंह युवा मंडल, सेमरा के सहयोग से दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में खंदौली प्रखंड के विभिन्न गांवों से पहुंचे युवाओं ने उत्साह और खेल भावना के साथ भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ खंदौली के ब्लॉक प्रमुख आशीष शर्मा ने किया। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि खेल जीवन का अहम हिस्सा हैं, जिनसे शारीरिक व मानसिक विकास के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को बल मिलता है। उन्होंने युवाओं से पढ़ाई के साथ खेल और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया।

जिला युवा अधिकारी डॉ. श्रवण कुमार सहगल के मार्गदर्शन में हुए इस आयोजन को लेकर उन्होंने कहा कि मेरा युवा भारत का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी युवाओं को प्रतिभा दिखाने का मंच देना है। ग्रामीण अंचल में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, बस सही अवसर व प्रोत्साहन की जरूरत है। एडवोकेट उमेश चौहान ने युवाओं को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और खेलों से अनुशासन व संघर्ष की भावना सीखने की प्रेरणा दी। वहीं, भगत सिंह युवा मंडल, सेमरा के अध्यक्ष श्याम सुंदर ने युवाओं से अपनी ऊर्जा सकारात्मक कार्यों में लगाने और क्षेत्र का नाम रोशन करने की अपील की।

दो दिवसीय प्रतियोगिता के तहत कबड्डी, खो-खो, 100 मीटर, 200 मीटर व 400 मीटर दौड़ और बैडमिंटन सहित कई स्पधाएँ कराई गईं। परिणामों में कबड्डी में शोभाराम, 400 मीटर दौड़ में सपना, 200 मीटर दौड़ में अंकित थैनुआ तथा 100 मीटर दौड़ में महक और भानु ने प्रथम स्थान हासिल किया। आयोजन की व्यवस्थाओं व सफल संचालन में अंकित, अर्शी और हिमांशु का विशेष सहयोग रहा।

पुलिस लाइन में हुआ सिविल डिफेंस का 'ब्लैक आउट' मॉक ड्रिल

-साइरन बजते ही गुल हुई बिजली, परखी गई आपातकालीन तैयारियां

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।



प्रमुख सचिव (नागरिक सुरक्षा), उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार तथा जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशन में रविवार शाम 6 बजे पुलिस लाइन मैदान में 'सिविल डिफेंस एयर रेड/ब्लैक आउट मॉक एक्सरसाइज-2026' का सफल आयोजन किया गया। आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए आयोजित इस अभ्यास में डीडीएमए, एसडीआरएफ, पुलिस, स्वास्थ्य, टोरेंट पॉवर, शिक्षा, लोक निर्माण विभाग और अग्निशमन विभाग ने संयुक्त रूप से भागीदारी की।

मॉक ड्रिल की शुरूआत शाम ठीक 6 बजे नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा हवाई हमले की चेतावनी स्वरूप लंबी सीटी वाला साइरन बजाने के साथ हुई। साइरन बजते ही टोरेंट पॉवर की टीम ने तत्काल प्रभाव से आसपास के क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बंद कर दी, जिसके बाद मैदान में मौजूद स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों ने सुरक्षित स्थानों पर शेल्टर लिया। ठीक छह मिनट बाद यानी शाम 6:06 बजे खतरा टलने का संकेत देते हुए छोटी-छोटी आवाज में ऑल-क्लियर साइरन बजाया गया और बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई।

खतरा टलने का संकेत मिलते ही राहत एवं बचाव दलों ने मोर्चा संभाला। अग्निशमन विभाग की टीमों ने हवाई हमले के कारण भड़की आग पर काबू पाने का सजीव प्रदर्शन किया। वहीं, नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों तथा एनसीसी व एनएसएस कैडेट्स ने घटनास्थल पर ही घायलों को प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराई, जबकि स्वास्थ्य विभाग की एंबुलेंस के माध्यम से गंभीर घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाने का अभ्यास किया गया। पूरी ड्रिल के दौरान पुलिस ने यातायात और शांति व्यवस्था सुचारु बनाए रखी। रिहायशी इलाकों के नागरिकों को पूर्व में ही सूचित कर दिया गया था कि यह केवल एक रिहर्सल मात्र है।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (नगर) यमुनाधर चौहान, डीसीपी सिटी रविंद्र कुमार, एसीपी अमीषा व प्रीता, सिविल डिफेंस के उप नियंत्रक मुनेश कुमार गुप्ता, सहायक उप नियंत्रक गुलाम नबी और डिप्टी चीफ वार्डन भूपेंद्र शिवहरे सहित पुलिस, प्रशासन, अग्निशमन और चिकित्सा विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

शहीद शुभम की स्मृति में गूंजा राष्ट्रभक्ति का काव्य

- सूरसदन में कवियों ने शब्दों से जगाया देशप्रेम का जज्बा*
- राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में वीर जवानों के त्याग और बलिदान को किया नमन

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।



शहीदों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता, उनकी वीरता और देशभक्ति की गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेंगी। इसी भावना को साकार करते हुए शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता की स्मृति में कैप्टन शुभम फाउंडेशन एवं भारत विकास परिषद की ओर से सूरसदन प्रेक्षागृह में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन ह्यऐ वतन तेरे लिएह्ल का आयोजन किया गया। देश के विभिन्न शहरों से आए ख्याति प्राप्त कवियों ने अपनी ओजस्वी और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत रचनाओं के माध्यम से शहीद को काव्यांजलि अर्पित की। पूरा सभागार देशप्रेम, वीरता और बलिदान के भावों से सराबोर नजर आया।

कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल, राज्यसभा सांसद नवीन जैन, महापौर हेमलता दिवाकर, विधायक पुरषोत्तम खंडेलवाल, फुटवियर एवं चमड़ा उद्योग विकास परिषद के चेयरमैन पूरन डावर, पूर्व राज्यमंत्री चौधरी उदयभान सिंह, माथुर वैश्य महासभा के मुकेश गुप्ता, उद्यमी अजय अग्रवाल, भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय सहसंयोजक डॉ तरुण शर्मा, क्षेत्रीय संरक्षक डॉ. केशव दत्त गुप्ता और एडवोकेट बसंत गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। भारत विकास परिषद की विभिन्न शाखाओं की महिला पदाधिकारियों ने राष्ट्रगीत ₹वन्देमातरम...₹ के गायन से श्रोताओं को राष्ट्र-भाव से जोड़ दिया। इसके बाद शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की गई। इसमें उनके जीवन, सैन्य सफर, देशसेवा के प्रति समर्पण और मातृभूमि की रक्षा करते हुए दिए गए सर्वोच्च बलिदान की स्मृतियों को दशार्या गया। डॉक्यूमेंट्री ने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया।

जबलपुर से आए सम्मेलन के सूत्रधार सुदीप भोला ने सैनिकों की वर्दी के गौरव और बलिदान को शब्दों में पिरोते हुए सुनाया ह्यवर्दियां वर्दियां वर्दियां ये वर्दियां, सैनिकों की वर्दियां सिपाहियों की वर्दियां, जो वतन के वास्ते खून से सनीं रहीं, रेशे-रेशे देश के लिए बनी रहीं... तन हुए थे खाक फिर भी खाकियां तनी रहीं। भोपाल के पवन जैन ने जीवन के संघर्ष और इंसान की संवेदनाओं को अपनी रचना में अभिव्यक्त किया। उन्होंने सुनाया ह्यबंद हो थाने के पट ऐसा कभी होता नहीं, शहर सोए चैन से बस इसलिए सोता नहीं, कर्म पथ में है मिले मुझको मगर कांटे बहुत, आदमी हूं कैसे कह दूं मैं कभी रोता नहीं।

दिल्ली से आए मंच संचालक डॉ. प्रवीण शुक्ला ने तिरंगे की आन-बान और देश की सांस्कृतिक विरासत का चित्रण करते हुए कहा ह्यलालकिले पर फर-फर, फर-फर फहरे मस्त तिरंगा, मानव मन में निर्मल निर्झर बहे प्यार की गंगा।ह्ल लखनऊ की कवयित्री डॉ. कविता तिवारी ने शहीदों के बलिदान को देश की असली ताकत बताते हुए अपनी ओजस्वी पंक्तियों से खूब तालियां बटोरीं– ह्यअगर माटी के पुतले देह में ईमान जिंदा है, तभी इस देश की समृद्धि का अरमान जिंदा है, न भाषण से हैं उम्मीदें, न वादों पर भरोसा है, शहीदों की बदौलत मेरा हिंदुस्तान जिंदा है।ह्ल

इटावा के गौरव चौहान ने शहीद शुभम को याद करते हुए कहा ह्यखुशबू भारत की बसती थी जिसके खून-पसीने में, शुभम आज भी धड़क रहे हैं भारत मां के सीने में, यहाँ पर मौज है क्युकी वहाँ फौज है।ह्ल इंदौर के युवा कवि एकाग्र शर्मा ने भारतीय सेना के शौर्य और गौरव का बखान करते हुए सुनाया ह्यहमारी सेना हमारी आन-बान-शान है, सेना से जुड़ा पूरे देश का स्वाभिमान है, सेना से ही मां भारती का ऊंचा भाल है, दोस्तों की दोस्त, दुश्मनों के लिए काल है।ह्ल

कार्यक्रम के संस्थापक एवं शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता के पिता एडवोकेट बसंत गुप्ता और माता पुष्पा गुप्ता ने कहा कि कैप्टन शुभम का अदम्य साहस और देश के प्रति उनका समर्पण सदैव युवाओं को प्रेरित करता रहेगा। नई पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने और शुभम की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से इस राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है।कार्यक्रम का संचालन भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय संयोजक प्रमोद कुमार अग्रवाल एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष धर्म गोपाल मित्तल ने किया।

सैनिकों की अदम्य साहस की गूंज दी सुनाई

कवियों की रचनाओं में कहीं सैनिकों के अदम्य साहस की गूंज सुनाई दी तो कहीं मातृभूमि के प्रति समर्पण और शहीदों के परिवारों के त्याग का भाव दिखाई दिया। श्रोताओं ने तालियों और भारत माता के जयकारों के साथ कवियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विनय सिंघल, डॉ. कैलाश सारस्वत, राजीव अग्रवाल, टीटू गोयल, मुकेश मित्तल, तपन अग्रवाल, अखिलेश भटनागर, राजेश गोयल, पुष्पेंद्र सिसोदिया, डॉ अमित अग्रवाल, उमेश बंसल, सीए विवेक अग्रवाल, चन्द्रवीर सिंह, जितेंद्र बंसल, विनय सिंह, मुकेश चन्द्र गुप्ता, के के अग्रवाल, मनीष जैन, संजीव दौनेरिया, कमलेश गुप्ता, ऋषभ गुप्ता, अशोक चौबे, महेश गोयल, ब्रज मोहन अग्रवाल, योगेश कंसल, राजीव गुप्ता, डॉ. राजीव उपाध्याय, डॉ .डीवी शर्मा, सुनील विकल, दीपक ढल, डॉ अमिता त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

ताजमहल की खूबसूरती पर फिदा हुईं कंगना रनौत

परिवार संग डायना बेंच पर खिंचवाईं तस्वीरें

- ताज के दीदार को पहुंचीं अभिनेत्री व सांसद कंगना रनौत
- स्मारक की पच्चीकारी और स्थापत्य कला को निहारा, प्रशंसकों में रही खासी उत्सुकता



आगरा। अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने परिवार के साथ ताजमहल का दीदार किया। स्मारक परिसर में भ्रमण के दौरान उन्होंने ताजमहल की स्थापत्य कला, संगमरमर पर की गई बारीक पच्चीकारी और इसकी खूबसूरती को करीब से निहारा। कंगना रनौत ने परिवार के सदस्यों के साथ प्रसिद्ध डायना बेंच पर बैठकर तस्वीरें भी खिंचवाईं।

ताजमहल भ्रमण के दौरान उनके साथ परिवार के सदस्य मौजूद रहे। स्मारक के विभिन्न हिस्सों में उन्होंने समय बिताया और वास्तुकला की बारीकियों को देखा। कंगना रनौत के आगमन की जानकारी मिलते ही स्मारक परिसर में मौजूद पर्यटकों और स्थानीय लोगों के बीच उन्हें देखने के लिए उत्सुकता दिखाई दी। सुरक्षा और व्यवस्थाओं के बीच उन्होंने परिवार संग भ्रमण पूरा किया।

अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मारी चालक घायल

फतेहाबाद। आगरा-फतेहाबाद मार्ग पर धमौटा तिराहा के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मारी घायल चालक को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कपूर चंद्र पुत्र देवी सिंह निवासी गुतिला थाना एकता अपनी बाइक से डौकी की तरफ से अपने घर जा रहा था तभी आगरा-फतेहाबाद मार्ग पर धमौटा के पास प्रिंस गार्डन के सामने अज्ञात वाहन ने कपूर चंद की बाइक में टक्कर मार दी जिससे कपूर चंद घायल हो गया जानकारी पर थाना डौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल कपूर चंद को अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं अज्ञात वाहन की जांच की जा रही है।

नेताजी की याद में उमड़ा जनसैलाब, एत्मादपुर में गूंजे अमरता के नारे!

जयंती समारोह में मुलायम सिंह यादव के संघर्षऔर सैनिक सम्मान के फैसलों को किया याद

- दीप प्रज्ज्वलन और पुष्पांजलि से हुआ श्रद्धांजलि समारोह का आगाज
- शहीदों के सम्मान में नेताजी के ऐतिहासिक फैसले का जिक्र, भावुक हुआ पंडाल
- 'धरतीपुत्र अमर रहे' के नारों से गूंजा एत्मादपुर, सैकड़ों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।



समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती पर रविवार को एत्मादपुर में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने शामिल होकर नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उनके संघर्षपूर्ण जीवन को याद किया।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण से हुआ। वक्ताओं ने मुलायम सिंह यादव के गरीबों, किसानों, मजदूरों और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। उनके राजनीतिक जीवन, सादगी और जनसरोकारों को याद करते हुए कहा कि नेताजी ने हमेशा कमजोर वर्गों के सम्मान और अधिकारों की लड़ाई लड़ी।

कार्यक्रम आयोजक मनोज शर्मा ने रक्षा मंत्री रहते हुए मुलायम सिंह यादव के सैनिकों के सम्मान से जुड़े फैसले का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि नेताजी ने शहीद सैनिकों के पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ उनके घर तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई थी। इस प्रसंग को सुनकर कार्यक्रम में मौजूद लोग भावुक हो गए।

कार्यक्रम में हजारीलाल यादव, भैया करुआ वाल्मीकि, बॉबी यादव प्रधान, शांति स्वरूप, मोहम्मद शरीफ मलिक और ममता शर्मा सहित अन्य वक्ताओं ने नेताजी के योगदान को याद किया। समारोह का संचालन राकेश यादव ने किया तथा अध्यक्षता सुरेश दिवाकर ने की।

इस दौरान नेताजी के सम्मान में नारे लगाए गए। कार्यक्रम के समापन पर राधे-राधे ढाबा की ओर से जलपान की व्यवस्था की गई। समारोह में क्षेत्र के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

देवोत्थान के बाद शुरू हुई सहालग की उमंग और शादियों की रौनक

देवोत्थान एकादशी के बाद जैसे ही मांगलिक कार्यों की शुभ घड़ी शुरू होती है, तो पूरे समाज और बाजारों में सहालग की एक नई उमंग, उत्साह और जीवंत चहल-पहल देखने को मिलती है। चार महीनों के लंबे अंतराल के बाद जब शहनाइयों की गूंज, बैंड-बाजे की धुन और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाए गए विवाह स्थलों की रौनक लौटती है, तो ऐसा लगता है मानो पूरे माहौल में एक नया उत्सव जीवित हो उठा हो। आगरा और ब्रज के साथ-साथ पूरे प्रदेश में शादी-ब्याह के इस मौसम को लेकर घरों से लेकर बाजारों तक जबरदस्त उत्साह दिखाई देता है जहां परिधान, आभूषण, सजावट और खानपान से जुड़े कारोबारों में नई ऊर्जा का संचार होता है। बदलते समय के साथ विवाह समारोहों के तौर-तरीकों में आधुनिकता और भव्यता का तड़का भले ही जुड़ गया हो, लेकिन परिवारों के आपस में मिलने, रूठे हुए रिश्तों को मनाने और पुरानी यादों को ताजा करने की परंपरा आज भी उतनी ही खास बनी हुई है। सहालग के दौरान होने वाली चचाओं में जहां एक तरफ भव्य आयोजनों, डेस्टिनेशन वेडिंग और सजावट के नए रुझानों की बातें होती हैं, वहीं दूसरी तरफ बढ़ती महंगाई और दिखावे की होड़ को लेकर भी समझदार वर्ग में गंभीर विमर्श चलता है। कई परिवार आज भी सादगी, पारंपरिक रीति-रिवाजों और आपसी सम्मान को प्राथमिकता देकर यह संदेश देते हैं कि विवाह का असली सौंदर्य फिजूलखर्ची में नहीं बल्कि दो परिवारों के बीच जुड़ने वाले आत्मीय संबंधों में होता है। उत्सव और उल्लास के इस दौर में यह भी जरूरी है कि हम अपनी खुशियों के साथ-साथ समाज के जरूरतमंद लोगों और उन परंपराओं का भी ध्यान रखें जो हमारे सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूत बनाती हैं। सहालग की यह बहार केवल मंगल गीतों और उत्सव की धूम तक सीमित न रहे, बल्कि नए रिश्तों में विश्वास, समरसता और खुशहाली की स्थायी बुनियाद तैयार करे यही इस मौसम की सबसे बड़ी सार्थकता है।

राहुल गांधी की काबिलियत पर सवाल उठाना लोकतंत्र का अपमान नहीं, उसकी मजबूती है!

बृज खंडेलवाल



राहुल गांधी की बेवकूफियों में भी कोई रणनीति छिपी है क्या? प्रधानमंत्री बनने का सपना देखने वाला कोई राष्ट्रीय नेता बार-बार ऐसी बातें कैसे कर सकता है, जो उसे मजाक का पात्र बना दें? सोनिया गांधी के राजीव गांधी की गोद में बैठकर खाना खाने वाली हालिया टिप्पणी ने फिर विवाद खड़ा कर दिया है।
सवाल हैः राहुल जानबूझकर सुर्खियां बटोरते हैं या सचमुच राजनीतिक समझ और तथ्यात्मक तैयारी की कमी से जूझ रहे हैं? कुछ लोग उन्हें भाजपा का ट्रोजन हॉर्स बताते हैं, जो विपक्ष को बदनाम करने और अपनी ही पार्टी की उभरती प्रतिभाओं का रास्ता रोकने का काम कर रहे हैं। क्या उनकी अजीब हरकतों में कोई मैथड या रणनीति छिपी है, जो लोगों को समझ नहीं आ रही? या फिर भाजपाई समर्थक तोड़-मरोड़ कर बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हों?
एक बार प्रधानमंत्री बन जाएं, शायद जुबान भी संभल जाएगी, तथ्य भी याद रहने लगेंगे और समझदारी भी लौट आएगी! फिलहाल चुनावी शिकस्तों ने दिमाग पर ताले लगा रखे हैं, मगर हास्य रस का भंडार छलक रहा है। आखिर कौन नेता इतनी मासूमियत से दुनिया को बताएगा कि उसकी मां दोपहर-रात के खाने पर पिताजी की गोद में बैठा करती थीं।

राहुल गांधी की काबिलियत पर सवाल उठाना आखिर लोकतंत्र का अपमान क्यों है? क्या प्रधानमंत्री पद के दावेदार को सवालों से छूट मिल जानी चाहिए? या फिर गांधी परिवार का सदस्य होने से योग्यता का प्रमाणपत्र अपने आप मिल जाता है?

भारतीय राजनीति में कई बड़े नेता आए। कुछ ने इतिहास बनाया, कुछ ने इतिहास से सबक लिया। राहुल गांधी ने इस बीच राजनीति को हास्य का नया पाठ जरूर पढ़ाया है। वे कांग्रेस का चेहरा हैं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और प्रधानमंत्री पद के प्रबल दावेदार भी। लेकिन एक सवाल लगातार सिर उठाता हैः क्या वे सचमुच देश चलाने के लिए तैयार हैं?

ह्यपप्पूह्ल का तमगा विरोधियों ने दिया। सोशल मीडिया ने उसे राष्ट्रीय अभियान बना दिया। मगर मसला सिर्फ मीम, चुटकुले और वायरल वीडियो का नहीं है। असली सवाल उनकी सोच, समझ, जानकारी, तैयारी और नेतृत्व क्षमता का है।

जुबान फिसलना कोई जुर्म नहीं। कभी-कभी बड़े-बड़े विद्वान भी चूक जाते हैं। लेकिन जब फिसलन बार-बार हो, तो उसे महज संयोग कहकर कब तक टाला जाएगा?

2013 में इलाहाबाद में राहुल गांधी ने कहा था, ह्लगरीबी सिर्फ मन की एक अवस्था है। इसका मतलब भोजन, पैसे या भौतिक चीजों की कमी नहीं है। अगर आत्मविश्वास हो तो गरीबी पर जीत हासिल की जा सकती है।ह्व आयोजकों ने बाद में सफाई दी कि बयान को गलत संदर्भ में पेश किया गया। फिर भी सवाल कायम है; क्या भूख, बेरोजगारी, बेघरपन और बदहाली भी मन का वहम हैं? गरीब आदमी को रोटी नहीं, बस आत्मविश्वास की गोली चाहिए?

2016 में मुंबई के एनएमआईएमएस में युवाओं को भविष्य का नेता बताते हुए उन्होंने कहा कि वे भारत के ह्यमाइक्रोसॉफ्ट में स्टीव जॉब्सह्ल बनेंगे। छोटी-सी बात है। स्टीव जॉब्स एप्पल के संस्थापक थे, माइक्रोसॉफ्ट के नहीं। तकनीक पर भाषण और कंपनी का पता गलत! कोई बात नहीं, शायद सिलिकॉन वैली भी कभी-कभी उलट-पुलट हो जाती होगी।

बेंगलुरु में कर्नाटक की इंदिरा कैंटीन को अम्मा कैंटीन बता दिया। अम्मा कैंटीन तमिलनाडु की जयललिता सरकार की योजना थी। राजस्थान में कुंभा राम आर्य की लिफ्ट सिंचाई योजना को कुंभकरण लिफ्ट योजना बना दिया। मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार और बलात्कार जैसे शब्दों में भी उलझन पैदा कर दी। लगता है शब्दकोश भी राहुल जी के भाषणों से पहले घबराता होगा।

फिरोजाबाद में किसानों ने आलू प्रोसेसिंग (चिप्स) यूनिट की मांग की थी। राहुल ने कहा कि वे आलू की फैक्टरी नहीं खोल सकते। सवाल उठा कि आलू उगाने और उससे चिप्स बनाने के उद्योग में फर्क कौन समझाएगा? किसान उद्योग मांग रहे थे, उन्हें जवाब में आलू का पाठ मिल गया।

लोकसभा की सीटें 546 बताना, देश की आबादी को रुपये में गिन देना और संसद में पुरुष पीठासीन अधिकारी को ह्यमैडम स्पीकरह्ल कह बैठना भी चर्चित किस्सों में शामिल हैं। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बारे में अमिताभ बच्चन और ऐश्वर्या राय को लेकर किया गया उनका दावा भी खूब चर्चा में रहा, जबकि ऐश्वर्या वहां उपस्थित नहीं थीं।

इनमें कुछ जुबान की फिसलन थीं, कुछ तथ्यात्मक गलतियां और कुछ अधूरे संदर्भों में वायरल हुए बयान। हर चूक को बुद्धिमत्ता का पैमाना बनाना नाइंसाफी होगी। मगर लगातार चूक को नजरअंदाज करना भी समझदारी नहीं है।

राहुल गांधी को पढ़ाई, दुनिया देखने और बड़े लोगों से मिलने के भरपूर मौके मिले। प्रतिष्ठित संस्थानों में शिक्षा और राजनीतिक विरासत की सुविधा भी मिली। फिर भी भाषणों में बुनियादी तथ्यों की गड़बड़ी क्यों दिखाई देती है? आखिर तैयारी की कमी का इलाज कौन करेगा?

विपक्ष चलाना और सरकार चलाना दो अलग खेल हैं। सरकार की आलोचना करना आसान है। देश की अर्थव्यवस्था संभालना, सुरक्षा सुनिश्चित करना, विदेश नीति चलाना और करोड़ों लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना कहीं बड़ी जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री पद कोई इंटर्नशिप नहीं, जहां गलती करके अगली बार सुधार का मौका मिल जाए।

लेकिन, कुछ भी हो, राहुल की बोल्डता तो माननी ही पड़ेगी। दूसरे नेता अपनी निजी जिंदगी के किस्से छिपाते फिरते हैं। वे पूरे आत्मविश्वास से ऐसी बातें सार्वजनिक मंच पर सुना देते हैं। हास्य रस में कोई कमी नहीं। काश, राजनीतिक भाषणों में भी इतनी ही सहजता और स्पष्टता दिखाई देती!

कांग्रेस की अपनी अलग पहेली है। पार्टी आज भी गांधी परिवार के इर्द-गिर्द चक्कर काट रही है। कभी इसी पार्टी में विद्वान, अनुभवी और कद्दावर नेताओं की लंबी कतार हुआ करती थी। आज नए नेतृत्व को आगे लाने में इतनी हिचक क्यों है? क्या प्रतिभा का अकाल पड़ गया है या परिवारवाद का शिकंजा इतना मजबूत है कि कोई दूसरा चेहरा दिखाई ही नहीं देता?

राहुल गांधी को हमेशा मजाक का पात्र बनाना उचित नहीं। उनके विचारों की आलोचना होनी चाहिए, व्यक्तिगत खिल्ली नहीं। लेकिन उन्हें भी समझना होगा कि सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही से छुट्टी नहीं मिलती। भारत कोई खानदानी जागीर नहीं है। यह विशाल, जटिल और महत्वाकांक्षी लोकतंत्र है। यहां प्रधानमंत्री को सिर्फ भाषण नहीं देने होते। फैसले लेने होते हैं, संकट संभालने होते हैं और दुनिया के सामने देश का प्रतिनिधित्व करना होता है।

तो क्या राहुल गांधी प्रधानमंत्री बन सकते हैं? लोकतंत्र में किसी को भी चुनाव लड़ने और सरकार बनाने का हक है। लेकिन प्रधानमंत्री बनने की चाह और प्रधानमंत्री बनने की काबिलियत में जमीन-आसमान का फर्क है।

एक बार प्रधानमंत्री बन जाने से शायद जुबान की फिसलन रुक जाए, लेकिन देश की किस्मत प्रयोगशाला नहीं है। सवाल पूछना लोकतंत्र का अपमान नहीं, लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

राहुल जी, प्रधानमंत्री की कुर्सी विरासत में मिल सकती है, मगर काबिलियत जनता को साबित करनी पड़ती है!

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

जब कुरुक्षेत्र के युद्ध से ठीक पहले कर्ण ने अपनी मृत्यु का सत्य जानते हुए भी सूर्यदेव के उस गुप्त वरदान को अस्वीकार कर दिया था जो उसे एक ही क्षण में अमर बना सकता था

महर्षि वेदव्यास के महाभारत के कर्ण पर्व और शांति पर्व के अत्यंत दुर्लभ तथा गोपनीय अध्यायों में कुरुक्षेत्र की रणभूमि में उतरने से ठीक पहले हुए एक मार्मिक संवाद से जुड़ी यह कथा सूर्यपुत्र कर्ण के अद्भुत स्वाभिमान और वचनबद्धता के उस गुप्त सत्य को उजागर करती है जिसे बहुत कम लोग जानते हैं।

जब युद्ध के निर्णायक मोड़ पर पहुंचने से पहले कर्ण को यह भान हो चुका था कि नियति और शाप के चक्रव्यूह में उसकी जीवनरेखा अत्यंत संकीर्ण हो चली है तब उनके पिता सूर्यदेव ने प्रत्यक्ष प्रकट होकर उन्हें एक अत्यंत गुप्त और दिव्य वरदान देने की इच्छा जताई।

सूर्यदेव ने कर्ण से कहा कि वे अपनी किरणों के ताप और अमृत तत्व के संयोग से उनके भीतर ऐसी अदृश्य प्राणशक्ति भर सकते हैं जिससे कोई भी अस्त्र या प्रतिज्ञा उनके प्राण हरने में असमर्थ हो जाएगी।

कर्ण ने सूर्यदेव के चरणों में सिर झुकाकर अत्यंत विनम्रता और दृढ़ता के साथ उस दिव्य कवच और प्राणरक्षा के वरदान को स्वीकार करने से यह कहते हुए मना कर दिया कि युद्ध के नियमों और अपने वचन के विरुद्ध जाकर जीवित रहना उनके स्वाभिमान के खिलाफ है।

उन्होंने सूर्यदेव से यह भी कहा कि अर्जुन को वध न करने का जो वचन वे माता कुंती को दे चुके हैं और जिस निष्ठा से वे दुर्योधन के साथ खड़े हैं उसके बीच किसी गुप्त चमत्कार का सहारा लेना उन्हें एक सच्चे क्षत्रिय की मयार्दा से गिरा देगा। सूर्यदेव अपने पुत्र की इस अडिग निष्ठा और मृत्यु के सम्मुख भी न झुकने वाले आत्मबल को देखकर स्तब्ध रह गए और उन्होंने यह स्वीकार किया कि कर्ण का यह त्याग अमरत्व से भी बड़ा है।

कर्ण ने उस क्षण यह स्पष्ट कर दिया कि जीवन की लंबाई से कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह है कि मनुष्य किस सम्मान और सिद्धांत के साथ अपनी अंतिम सांस लेता है। यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि सच्चा पराक्रम और महानता अवसर के आगे झुकने या प्राण बचाने के सौदों में नहीं बल्कि अपने सिद्धांतों और वचन की रक्षा में निहित होती है।

मदनपल्ली से उठता नया सूरज : एक लाख करोड़ का कृषि सपना और किसान के भविष्य का निर्णायक सवाल

डॉ. दीपक गोस्वामी

दो अक्टूबर 2026 को गांधी जयंती के अवसर पर आंध्र प्रदेश के मदनपल्ली से कृषि परिवर्तन की एक बड़ी पहल का शंखनाद हुआ। ग्लोबल हॉर्टिकल्चर हब और इंडियन स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर की आधारशिला रखी गई। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण और रिलायंस के कार्यकारी निदेशक अनंत अंबानी सहित अनेक प्रमुख व्यक्तित्व उपस्थित रहे। यह आयोजन केवल शिलान्यास का समाचार नहीं है। यह उस रायलसीमा के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है, जहाँ किसान कभी वर्षा की प्रतीक्षा करता है, कभी बाजार की और कभी अपनी मेहनत की उचित कीमत की। यहाँ चुनौती केवल खेत में अधिक उपज पैदा करना नहीं, बल्कि किसान को खेती से सम्मानजनक और टिकाऊ आय दिलाना है।

एक लाख करोड़ का सपना, दस जिलों की उम्मीद

ग्लोबल हॉर्टिकल्चर हब के लिए लगभग 1,00,352 करोड़ के प्रस्तावित निवेश की रूपरेखा सामने आई है। इसमें केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से ?40,352 करोड़ सार्वजनिक निवेश तथा निजी क्षेत्र से ?60,000 करोड़ जुटाने का लक्ष्य शामिल है। यह स्पष्ट रहना चाहिए कि निजी निवेश की पूरी राशि अभी खर्च हो चुकी धनराशि नहीं, बल्कि प्रस्तावित निवेश का लक्ष्य है।
इस पहल का दायरा आंध्र प्रदेश के दस जिलों तक है—अनंतपुर, अन्नमय्या, चित्तूर, कुरनूल, नंद्याल, श्री सत्य साई, तिरुपति, वाईएसआर कडपा, प्रकाशम और मरकापुरम। योजना में 201 कृषि-बागवानी समूहों, 303 मंडलों और 5,869 गाँवों को शामिल करने की बात कही गई है। लगभग 9.6 लाख कृषक परिवारों तक लाभ पहुँचाने का लक्ष्य भी बताया गया है। बागवानी क्षेत्रफल को 8.41 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 14.41 लाख हेक्टेयर तथा उत्पादन को 222 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 435 लाख मीट्रिक टन करने का लक्ष्य रखा गया है। आम, केला, टमाटर, अनार और अन्य उच्च मूल्य वाली फसलों को प्रोत्साहन देने की योजना है। लेकिन एक प्रश्न अनिवार्य है—क्या उत्पादन बढ़ने के साथ किसान की आमदनी भी बढ़ेगी? क्योंकि खेत में उपज का बढ़ना और किसान की जेब में पैसा आना दो अलग-अलग घटनाएँ हैं।

किसान को तकनीक मिले, पर निर्णय का अधिकार भी

इंडियन स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर की परिकल्पना कृषि शिक्षा, अनुसंधान और आधुनिक तकनीक को खेतों तक पहुँचाने की है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सटीक खेती, फसल निगरानी, स्मार्ट सिंचाई, डिजिटल प्रशिक्षण और बाजार संबंधी जानकारी इसके संभावित क्षेत्र हैं।
यह पहल तभी क्रांतिकारी होगी जब तकनीक किसान की भाषा बोलेगी। जिस किसान को अपनी फसल में रोग का कारण समझ नहीं आता, उसे समय पर पहचान मिले। जिसे पानी की कमी परेशान करती है, उसे खेत के अनुसार सिंचाई का मार्गदर्शन मिले। जिसे मंडी में सही भाव नहीं मिलता, उसे विभिन्न बाजारों की वास्तविक कीमत और खरीदारों तक पहुँच मिले।
कृत्रिम बुद्धिमत्ता किसान की आँख और समझ को मजबूत कर सकती है, लेकिन किसान के अनुभव का विकल्प नहीं बन सकती। खेत का अंतिम निर्णय किसान के हाथ में रहना चाहिए। तकनीक का उद्देश्य उसे निर्भर बनाना नहीं, आत्मनिर्भर बनाना होना चाहिए।

टमाटर की पेटी में छिपा किसान का पूरा अर्थशास्त्र

रायलसीमा की कृषि चुनौती को समझने के लिए अन्नमय्या जिले के गुर्रमकोंडा का उदाहरण देखिए। 18 अक्टूबर 2026 की एक रिपोर्ट के अनुसार वहाँ टमाटर की 18 किलो की पेटी लगभग ?300 में बिकी। तुड़ाई और परिवहन पर करीब 220 खर्च होने के बाद अन्य लागतों से पहले किसान के पास केवल ?80 बचे।
यह किसी पूरे क्षेत्र के किसानों की औसत आय नहीं, बल्कि एक दिन की रिपोर्टेड बाजार स्थिति है। फिर भी यह उस व्यवस्था का आईना है जिसमें किसान महीनों मेहनत करता है, फसल तैयार करता है, लेकिन बाजार में उसकी मेहनत का मूल्य तय करने की शक्ति उसके पास नहीं होती।
इसलिए केवल अधिक उत्पादन का लक्ष्य पर्याप्त नहीं। हर कृषि समूह के आसपास संग्रह केंद्र, वैज्ञानिक भंडारण, पैकिंग गृह, प्रसंस्करण इकाइयाँ और परिवहन की विश्वसनीय व्यवस्था चाहिए। किसान उत्पादक संगठनों को वास्तविक बाजार शक्ति देनी होगी। तौल पारदर्शी हो, भुगतान समयबद्ध हो और खरीद की शर्तें पहले से स्पष्ट हों।
किसान को केवल फसल उगाने वाला नहीं, मूल्य शृंखला का भागीदार बनाना होगा। खेत से बाजार तक उसकी हिस्सेदारी जितनी मजबूत होगी, उसकी आय की संभावना उतनी ही बेहतर होगी।

पानी बचाकर ही बागवानी का विस्तार संभव

रायलसीमा में बागवानी का विस्तार जल उपलब्धता को ध्यान में रखकर ही होना चाहिए। हर क्षेत्र की मिट्टी, वर्षा और भूजल की स्थिति अलग है। इसलिए एक ही फसल या एक ही सिंचाई मॉडल पूरे क्षेत्र पर लागू नहीं किया जा सकता।
टपक सिंचाई, वर्षा जल संचयन, खेत-तालाब, भूजल पुनर्भरण और जल बजट को परियोजना की प्राथमिकता बनाना होगा। किसान को यह भी समझाना होगा कि कौन-सी फसल उसके क्षेत्र के पानी और जलवायु के अनुकूल है। सरकारी धन का प्रावधान अपने आप जल सुरक्षा नहीं बन जाता। असली उपलब्धि तब होगी जब खेत तक समय पर पानी पहुँचे, भूजल का अनियंत्रित दोहन घटे और किसान सूखे के मौसम में भी खेती की योजना बना सके।

जैव ऊर्जाः अवसर बड़ा, जवाबदेही उससे भी बड़ी

इसी अवसर पर रिलायंस की ओर से आंध्र प्रदेश में संपीडित जैव गैस संयंत्रों के लिए 1 लाख करोड़ निवेश की योजना घोषित की गई। इसके साथ तीन लाख से अधिक रोजगार अवसर और आने वाले दशकों में राज्य को लगभग ?60,000 करोड़ राजस्व मिलने की संभावना बताई गई।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 24 नवंबर 2026 मंगलवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।



मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष मिथुन सिंह कन्या वृश्चिक और मकर राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। मंगलवार का दिन संकटमोचन हनुमान जी और भूमि पुत्र मंगल देव की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन हनुमान मंदिर में जाकर सिंदूर और चमेली का तेल अर्पित करने तथा हनुमान चालीसा का पाठ करने से जीवन के सभी भय और संकट दूर होते हैं तथा अदम्य साहस और विजय की प्राप्ति होती है।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। हनुमान जी को बूंदी के लड्डू अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। मंदिर में लाल मसूर की दाल का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। सुंदरकांड का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।

कर्क



आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। हनुमान मंदिर में लाल ध्वजा भेंट करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।

सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। हनुमान जी के समक्ष चमेली के तेल का दीपक जलाएं जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। किसी जरूरतमंद को गुड़ और चना दान करें जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

तुला

आज कला संस्कृति और प्रशासनिक क्षेत्र से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। मंदिर में लाल पुष्प अर्पित करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। बजरंग बाण का पाठ करें जिससे आपके सभी विरोधी शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। हनुमान मंदिर में शुद्ध घी का दीपक जलाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। मंगलवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। संकटमोचन हनुमानाष्टक का पाठ करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। हनुमान जी के चरणों में प्रणाम करके दिन की शुरूआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

मंगलवार के दिन घर की दक्षिण दिशा को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां तांबे के पात्र में शुद्ध जल स्थापित करने तथा मुख्य द्वार पर सिंदूर से शुभ चिह्न बनाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा हनुमान जी की कृपा से घर में सकारात्मक ऊर्जा और स्थायी सुख-शांति का वास होता है।

सायरन गूंजा, रोशनी बुझी, एयर रेड के खौफ का रिफाइनरी में मॉक ड्रिल!

- एयर रेड अलर्ट के साथ दो मिनट तक गूंजा वॉर्निंग सायरन, पूरा परिसर ब्लैक आउट
- अंधेरे में रेस्क्यू, घायलों की तलाश और प्राथमिक उपचार का अभ्यास
- 'ऑल क्लियर' सायरन के साथ खत्म हुआ ऑपरेशन, परखी गई आपातकालीन तैयारियां

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

रिफाइनरी अपने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आसपास के क्षेत्र की सुरक्षा के प्रति सदैव सजग रहती है। संभावित आपातकालीन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने तथा ऐसी स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित की जाती है। इसी क्रम में आज 22 नवंबर 2026 को जिला प्रशासन के निदेर्शानुसार नागरिक सुरक्षा विभाग, मथुरा के समन्वय से रिफाइनरी में ह्यएयर रेडह्ल पर ब्लैक आउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

मॉक ड्रिल के दौरान शाम लगभग 6 बजे सिविल डिफेंस कंट्रोल रूम से ह्यएयर रेडह्ल का संदेश प्राप्त होने के बाद मथुरा रिफाइनरी के फायर कंट्रोल रूम से दो मिनट का वेलिंग सायरन बजाकर रेड अलर्ट घोषित किया गया। इसके पश्चात प्रशासनिक



भवन एवं आसपास के क्षेत्र में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार लाइटें बंद कर ब्लैक आउट की स्थिति बनाई गई। मॉक ड्रिल के दौरान आपात स्थिति में बचाव एवं राहत कार्यों का अभ्यास किया गया, जिसमें घटनास्थल पर सर्च एवं रेस्क्यू, घायलों का रेस्क्यू, ट्रायेज एवं प्राथमिक उपचार तथा अन्य आपातकालीन कार्यवाहियों का अभ्यास किया गया।

निर्धारित ब्लैक आउट अवधि पूर्ण होने के बाद ह्यऑल क्लियरह्ल सायरन बजाकर ग्रीन सिग्नल घोषित किया गया तथा बंद की गई लाइटों को पुनः चालू किया गया।

मॉक ड्रिल के दौरान सीआईसी एच. एस. रुखैयार, सीजीएम (टी), अभिनव गोस्वामी, जीएम (ईएमएस), रजनीश तेवारी, डीजीएम (फायर एंड सेफ्टी) एवं नंद प्रकाश मौर्य, एडीएम सहित संबंधित अधिकारियों एवं विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मॉक ड्रिल के माध्यम से विभिन्न विभागों एवं संबंधित एजेंसियों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने तथा आपातकालीन स्थिति में त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई की तैयारियों का अभ्यास किया गया।

इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की मॉक ड्रिल से विभिन्न एजेंसियों के बीच आपसी समन्वय एवं प्रतिक्रिया क्षमता को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। वास्तविक आपातकालीन स्थिति में त्वरित निर्णय एवं प्रभावी कार्रवाई के माध्यम से संभावित नुकसान को न्यूनतम करने के लिए इस प्रकार के पूर्वाभ्यास महत्वपूर्ण हैं।

मॉक ड्रिल का उद्देश्य ह्यएयर रेडह्ल जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में मथुरा रिफाइनरी की आपातकालीन तैयारियों, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता तथा संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय को परखना एवं उसे और सुदृढ़ करना रहा। मॉक ड्रिल में नागरिक सुरक्षा विभाग एवं मथुरा रिफाइनरी के संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों ने सहभागिता की।

हत्या कर यमुना में शव ठिकाने लगाने वाला आरोपी गिरफ्तार!

- देवेंद्र पाठक को अगवा कर हत्या के बाद यमुना में फेंकने का आरोप
- वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल समेत हत्यारोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा
- तीन महीने पुराने हत्याकांड में नौहझील पुलिस को मिली कामयाबी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



थाना नौहझील पुलिस टीम द्वारा अपहरण कर हत्या करने के अभियोग में प्रकाश में आये वांछित अभियुक्त को घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल सहित गिरफ्तार किया गया।

पुलिस टीम ने दिनांक 20 नवंबर को समय करीब 22.49 बजे, जय गुरुदेव मन्दिर से करीब 50 कदम शेरगढ की ओर थाना नौहझील जनपद मथुरा से अभियुक्त मोहन सिंह पुत्र उत्तम सिंह निवासी मौहल्ला नसरा कालोनी कस्बा व थाना नौहझील जनपद मथुरा उम्र करीब 44 वर्ष सम्बन्धित मु0अ0सं0 307/26 धारा 140(1) बीएनएस को घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरुद्ध थाना नौहझील से आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई ।

थाना नौहझील पर मुकद्दमा वादी द्वारा दिनांक एक नवंबर को उसके भाई देवेन्द्र पाठक पुत्र कुमरपाल निवासी नसरा कालोनी कस्बा व थाना नौहझील जनपद मथुरा को बिना कुछ बताये घर से चले जाने के सम्बन्ध में थाना नौहझील पर मुकदमा पंजीकृत कराया था। अभियोग की विवेचना के क्रम में ज्ञात हुआ की अभियुक्त मोहन उपरोक्त द्वारा दिनांक 23.08.2026 को देवेन्द्र पाठक उपरोक्त का अपहरण किया गया उसके बाद अपने सहअभियुक्तों के साथ मिलकर मृतक के शव को मोटरसाइकिल पर रखकर यमुना नदी में फेक दिया गया था।

अभियुक्त को गिरफ्तार पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक अन्जीश कुमार सिंह, अपराध निरीक्षक मनोज कुमार शर्मा, उनि मेहरन्द सिंह, उनि रजत गर्ग आदि शामिल थे।



सपना चौधरी का उत्तर प्रदेश अंडर 23 क्रिकेट टीम में चयन

मथुरा। रांची बांगर टाउनशिप निवासी सपना चौधरी पुत्री बच्चू सिंह का चयन उत्तर प्रदेश अंडर - 23 महिला टीम में बतौर आल-राउंडर टीम में चयन हुआ है। अभी सपना चौधरी महिला टीम के साथ ओड़िशा में वीमेन ळ-20 प्रतियोगिता में भाग लेने रवाना हुई। इस अवसर पर मथुरा जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष प्रदीप कुलश्रेष्ठ, सचिव कमल चावला, उमेश चौरसिया, आशुतोष दीक्षित, असलम खान, अशोक कैंथवास, रोहित सिंह, रवि गुर्जर, आदि ने शुभकामना दी।

पढ़ाई से परे विज्ञान का रोमांच, रिफाइनरी में उतरीं 75 छात्राएं



टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मथुरा। आदर्श माध्यमिक विद्यालय, जनपद लखनऊ की 75 छात्राओं एवं 6 शिक्षकों के दल ने मथुरा रिफाइनरी का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पेट्रोलियम रिफाइनरी की कार्यप्रणाली, कच्चे तेल के शोधन की प्रक्रिया तथा विभिन्न पेट्रोलियम उत्पादों के निर्माण से अवगत कराना था।

मथुरा रिफाइनरी पहुंचने पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का स्वागत किया गया। इसके पश्चात दल के लिए रिफाइनरी परिसर में दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई। भोजन के उपरांत विद्यार्थियों को रिफाइनरी के संचालन एवं विभिन्न प्रक्रियाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर अभिनव गोस्वामी, महाप्रबंधक (कर्मचारी सेवाएँ) ने विद्यार्थियों को रिफाइनरी की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रिफाइनरी में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) को विभिन्न प्रक्रियाओं के माध्यम से परिष्कृत कर उपयोगी पेट्रोलियम उत्पादों में परिवर्तित किया जाता है। विद्यार्थियों को क्रूड ऑयल के शोधन की प्रक्रिया तथा इससे प्राप्त होने वाले प्रमुख उत्पादों, जैसे पेट्रोल, डीजल, एटीएफ, एलपीजी, नेफ्था आदि के बारे में जानकारी दी गई।

विद्यार्थियों को रिफाइनरी में अपनाई जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था, गुणवत्ता नियंत्रण, पर्यावरण संरक्षण तथा ऊर्जा दक्षता के महत्व से भी अवगत कराया गया। उन्हें यह भी समझाया गया कि एक आधुनिक रिफाइनरी के सुचारु एवं सुरक्षित संचालन में विभिन्न तकनीकी प्रक्रियाओं और विशेषज्ञ टीमों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्राओं ने रिफाइनरी की कार्यप्रणाली को लेकर उत्साहपूर्वक जानकारी प्राप्त की तथा विभिन्न विषयों पर अपनी जिज्ञासाएं व्यक्त कीं। रिफाइनरी के अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान करते हुए उन्हें पेट्रोलियम उद्योग एवं रिफाइनिंग क्षेत्र की कार्यप्रणाली से परिचित कराया गया।

रिफाइनरी द्वारा आयोजित इस शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान को वास्तविक औद्योगिक परिवेश से जोड़ने तथा देश के ऊर्जा क्षेत्र की कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिला।

चुनावी तैयारियों की परखी नब्ज

ईवीएम से वोटर कैंपों तक ताबड़तोड़ निरीक्षण!

- ईवीएम प्रदर्शन केंद्र पहुंचीं संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी, व्यवस्थाओं का लिया जायजा
- वोटर कैंपों में फॉर्म-6, 7 और 8 की जांच, नए मतदाताओं पर फोकस
- बीएलओ को मतदाता सूची पुनरीक्षण में तेजी लाने के सख्त निर्देश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ श्रीमती गरिमा स्वरूप ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर में बनाए गए ईवीएम प्रदर्शन केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रदर्शन केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा निर्वाचन संबंधी कार्यों को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने के लिए आवश्यक सुझाव दिए।

निरीक्षण के दौरान संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिला नियंत्रक केंद्र (डीसीसी) को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र पर तैनात कर्मचारी अपने पास सामान्य रूप से पूछे जाने वाले प्रश्नों एवं उनके उत्तरों की एक बुकलेट अवश्य रखें, ताकि आमजन एवं संबंधित लोगों की निर्वाचन संबंधी जिज्ञासाओं का त्वरित और सही समाधान किया जा सके।



संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं को सुचारु, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाए रखने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए और उपलब्ध व्यवस्थाओं से संतुष्ट थीं।

इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी/ अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ0 पंकज कुमार वर्मा, उप जिलाधिकारी सदर मोहित कुमार, तहसीलदार न्यायिक सदर कृष्ण गोपाल मिश्रा, स्वीप कोऑर्डिनेटर डॉ0 दीन दयाल तथा जिला मास्टर ट्रेनर मनीष दयाल तथा निर्वाचन कार्यालय से श्रुति सक्सेना उपस्थित रही।

इसी क्रम में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ0प्र0 लखनऊ श्रीमती गरिमा स्वरूप जी द्वारा वृन्दावन के श्री वृन्दावन विद्यापीठ इंटर कॉलेज तथा नगर निगम बालिका इंटर कॉलेज तथा तहसील गोवर्धन के प्राथमिक विद्यालय राधाकुण्ड प्रथम, पूर्व माध्यमिक विद्यालय राधाकुण्ड, प्राथमिक विद्यालय नगला पंजाबी राधाकुण्ड एवं प्राथमिक विद्यालय द्वितीय राधाकुण्ड में लगाए गए विशेष कैंपों/शिविरों का निरीक्षण किया गया।

उन्होंने बीएलओ को प्राप्त फॉर्म 6, 7 एवं 8 की जानकारी ली तथा नए पात्र मतदाताओं का अधिकाधिक फॉर्म 6 भरवाने के निर्देश दिए।

नौकरी के नाम पर घिनौना खेल, 18 महीने तक महिला का शोषण!



मथुरा। फरह थाना क्षेत्र के गांव झुड़ाबई में महिला के साथ दुष्कर्म और 18 महीने तक शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता ने ग्राम प्रधान प्रताप सिंह राणा उर्फ पप्पू और उसके तीन साथियों पर नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने और अश्लील वीडियो बनाने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि वीडियो वायरल करने की धमकी देकर करीब डेढ़ साल तक उसका शारीरिक शोषण किया गया। पीड़िता के मुताबिक, फरह पुलिस ने शुरूआत में उसकी शिकायत पर मुकदमा दर्ज नहीं किया। इसके बाद उसने न्यायालय की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर फरह थाने में मुकदमा दर्ज हुआ। लेकिन पीड़िता का आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसी को लेकर आज पीड़िता एसएसपी कार्यालय पहुंची और पुलिस अधिकारियों से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कर न्याय दिलाने की मांग की। अब देखना होगा कि पुलिस इस मामले में कब तक कार्रवाई करती है। बताते है जिला पंचायत अध्यक्ष की नजदीकी के चलते पुलिस मामले में चुप्पी साधे है।

रोडवेज वर्कशॉप पर निगम की 72 बसों का कब्जा



मथुरा। जवाहरलाल नेहरू नेशनल अरबन रिन्यूअल मिशन के नाम से चलाई जाने वाली लगभग सभी बसें कबाड़ हो चुकी हैं। ये बसें रोडवेज के वर्कशाप में पड़ी हैं। कई बार पत्राचार के बाद भी निगम इन बसों को न तो हटा सका और न ही नीलाम कर सका। इसके चलते रोडवेज प्रबंधन को कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। उनके कार्यालय से लेकर विभागीय बसों को खड़ी करने का स्थान नहीं मिल पा रहा। ज्ञात रहे कि कई वर्षों पहले मथुरा वृंदावन नगर निगम जो प्रदेश सरकार द्वारा जवाहर लाल नेहरू नेशनल अरबन रिन्यूअल मिशन के अंतर्गत 72 बसें दीं थीं। ये बसें मथुरा जंक्शन से वृंदावन , गोवर्धन, बलदेव आदि स्थानों में संचालित होती रहीं। इसके साथ ही बरसाना, छाता, कोसीकलां, राया, रिफाइनरी तक भी संचालित होती रहीं। समय के साथ रखरखाव समुचित न होने से ये बसें रोडवेज के वर्कशाप में एक-एक कर-के खड़ी कर दीं गईं। वर्षों से धूल, बरसात एवं धूप झेलती ये बसें प्रायः दम तोड़ चुकीं हैं। कबाड़ा हो चुकी हैं। लंबे समय के सफर के बाद ये मुशाफिर रहित हो चुकीं हैं। इतनीं बसें यदि किसी प्राइवेट सेक्टर के पास होतीं तो इस प्रकार और इतनी जल्द कंडम भी न होतीं। रोडवेज के एआरएम विवेक कुमार ने इस संबंध में बताया कि निगम को बसों को हटाने के लिए पत्र लिखा गया हैं। वह जल्द ही इन 72 बसों को यहां से हटा लेंगे। दीगर बात यह है कि पत्र लिखे भी लगभग एक माह बीत चुका है। इसके बाद भी स्थिति जस की तस है। यही हाल रहा तो ये खटाना बसें नीलामी योग्य भी नहीं रह जाएंगी। एक रोडवेज कर्मचारी ने यह भी बताया कि ये बसें चालू हालत में थीं, अब कबाड़ हो चुकीं हैं।

मथुरा में सामाजिक न्याय का शक्ति प्रदर्शन

2027 के सत्ता परिवर्तन का हुंकार!

- पिछड़े-दलितों की एकजुटता से बदलेगा यूपी का सियासी समीकरण
- जातिगत जनगणना, आरक्षण और सत्ता में हिस्सेदारी पर बुलंद हुई आवाज
- दामोदरपुरा में उमड़ा जनसैलाब, कांग्रेस ने भरी चुनावी बदलाव की हुंकार

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग के आह्वान पर आज 22 नवंबर को मथुरा जनपद के ग्राम दामोदरपुरा में आयोजित सामाजिक न्याय एवं भागीदारी सम्मेलन में अपार जनसमूह उमड़ पड़ा। सम्मेलन में मथुरा सहित आसपास के क्षेत्रों से पिछड़े, दलित, शोषित, वंचित समाज के लोगों, युवाओं, किसानों, मजदूरों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं कांग्रेस कार्यकताओं ने भागीदारी की। सम्मेलन में संविधान की रक्षा, जातिगत जनगणना, आरक्षण, सामाजिक समानता और आबादी के अनुपात में राजनीतिक हिस्सेदारी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जोरदार आवाज बुलंद की गई।

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिया है, लेकिन आज संविधान और संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। सामाजिक न्याय की लड़ाई केवल किसी एक वर्ग की लड़ाई नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई है। कांग्रेस पार्टी बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों पर चलते हुए दलित, पिछड़े और वंचित समाज को उनका संवैधानिक अधिकार और सम्मान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जब तक समाज के सभी वर्गों को उनकी आबादी के अनुपात में भागीदारी नहीं मिलेगी, तब तक वास्तविक सामाजिक न्याय स्थापित नहीं हो सकता।

कांग्रेस ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद ने कहा कि देश की सत्ता, संसाधनों और निर्णय प्रक्रिया में पिछड़े समाज की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जातिगत जनगणना सामाजिक न्याय की दिशा में पहला और जरूरी कदम है। इससे यह स्पष्ट होगा कि देश के विभिन्न सामाजिक वर्गों की वास्तविक आबादी कितनी है और उन्हें शिक्षा, रोजगार, राजनीति तथा आर्थिक संसाधनों में कितना प्रतिनिधित्व मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी ने जिस सामाजिक न्याय और भागीदारी की लड़ाई को राष्ट्रीय विमर्श बनाया है, कांग्रेस पार्टी उसे गांव-गांव तक पहुंचाएगी। मथुरा का यह विशाल जनसमूह इस बात का प्रमाण है कि समाज अब अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो रहा है।



कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं बृज जोन प्रभारी कुणाल चौधरी ने कहा कि मथुरा की धरती से उठी सामाजिक न्याय की यह आवाज पूरे बृज क्षेत्र में नई राजनीतिक चेतना पैदा करेगी। कांग्रेस संगठन का प्रयास है कि पिछड़े, दलित, किसान, मजदूर और नौजवान समाज के लोगों को केवल चुनावी भागीदारी तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें संगठन की जिम्मेदारियों और राजनीतिक निर्णयों में भी उचित स्थान मिले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता इस अभियान को प्रत्येक गांव और बूथ तक लेकर जाएंगे।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं पंजाब प्रभारी राजकुमार मौर्या ने कहा कि सामाजिक न्याय, समान अवसर और संवैधानिक अधिकारों की लड़ाई को मजबूत करने के लिए सभी वंचित वर्गों को एकजुट होना होगा। आज देश के सामने बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा और रोजगार में असमानता जैसे गंभीर सवाल हैं। इन समस्याओं का समाधान तभी संभव है जब समाज के हर वर्ग को बराबरी का अवसर और सम्मानजनक प्रतिनिधित्व मिले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इन मुद्दों को लेकर जनता के बीच संघर्ष जारी रखेगी।

कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता वीरेंद्र चौधरी एवं पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री श्याम सुंदर शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2027 का विधानसभा चुनाव सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा, रोजगार, आरक्षण और जनता के अधिकारों का महत्वपूर्ण चुनाव होगा। प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है और इस बदलाव की सबसे मजबूत ताकत पिछड़े, दलित, गरीब, किसान, मजदूर और नौजवान होंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इन सभी वर्गों को साथ लेकर प्रदेश में एक मजबूत और जनहितकारी विकल्प तैयार कर रही है।

कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि मथुरा में आयोजित इस सम्मेलन की विशाल सफलता ने साबित कर दिया है कि पिछड़ा समाज अपने अधिकारों, सम्मान और राजनीतिक हिस्सेदारी के सवाल पर एकजुट हो रहा है। कांग्रेस ओबीसी विभाग प्रदेश के प्रत्येक जनपद में सामाजिक न्याय और भागीदारी का संदेश पहुंचाएगा।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि मथुरा जनपद के कांग्रेस कार्यकताओं, सामाजिक संगठनों और आम जनता ने जिस उत्साह के साथ इस सम्मेलन में भागीदारी की है। यह सम्मेलन मथुरा में कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय का यह अभियान अब गांव-गांव तक पहुंचेगा और सभी वर्गों को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने का काम किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के चेयरमैन कुंवर सिंह निषाद ने कहा कि दामोदरपुरा में उमड़ा यह जनसैलाब इस बात का स्पष्ट संकेत है कि उत्तर प्रदेश का पिछड़ा, दलित और वंचित समाज अब अपने अधिकारों, सम्मान और सत्ता में भागीदारी के सवाल पर निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार है। अयोध्या के बाद मथुरा की धरती से सामाजिक न्याय की राजनीति को नई ऊर्जा मिली है। राहुल गांधी जी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी जिस संविधान, जातिगत जनगणना, आरक्षण और आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी की लड़ाई लड़ रही है, उसे जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि 2027 में उत्तर प्रदेश में राजनीतिक बदलाव की मजबूत नींव सामाजिक न्याय और सभी वर्गों की सम्मानजनक भागीदारी से रखी जाएगी।

कुंवर सिंह निषाद ने कहा कि यह सम्मेलन किसी एक राजनीतिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि उन करोड़ों लोगों की आवाज है जिन्हें लंबे समय से उनके अधिकारों और प्रतिनिधित्व से वंचित रखा गया है। कांग्रेस पार्टी का लक्ष्य है कि पिछड़े, दलित, शोषित और वंचित समाज के युवाओं को शिक्षा, रोजगार, संगठन और सत्ता में उनका उचित स्थान मिले। मथुरा से शुरू हुआ यह संदेश पूरे उत्तर प्रदेश में सामाजिक न्याय की नई राजनीतिक चेतना का आधार बनेगा।

कार्यक्रम का संचालन विक्रम बाल्मीकि ने किया। सम्मेलन में सर्वश्री शिवदत्त चतुर्वेदी, रमेश कश्यप, मनोज गौड़, पंकज चौधरी, सरवन अहमद, के के गौतम, उमेश शर्मा, आदित्य तिवारी, राजन पाठक, बलवीर प्रधान, राजा गौतम, अशोक निषाद, करन निषाद, रवि वाल्मीकि, हाशिम हुमेंर संदीप चौधरी कीर्ति कौशिक आशीष अग्रवाल धर्मेंद्र सिंह प्रधान अमित दीक्षित दीपक दीक्षित धीरज शर्मा लक्ष्मी नारायण रूपेश धनगर श्याम चौधरी रूपा लवानिया गीत दिवाकर राशिद खान उमाशंकर शर्मा महेश चौबे भूरी सिंह जयस मास्टर प्रताप सिंह मोहन आदि।

जिले में पल्स पोलियो अभियान का आगाज, जीवनी मंडी केंद्र पर बूथ का शुभारंभ

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. उपेंद्र कुमार ने नौनिहालों को 'दो बूंद जिंदगी की' पिलाकर की शुरूआत

- शून्य से पांच वर्ष तक के शत-प्रतिशत बच्चों को खुराक पिलाने का लक्ष्य, अभिभावकों से सहयोग की अपील

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, आगरा।





जनपद में रविवार को पल्स पोलियो अभियान का उत्साहपूर्वक शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत जीवनी मंडी स्थित नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर बनाए गए पोलियो बूथ का उद्घाटन जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. उपेंद्र कुमार ने बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाकर किया।

अभियान के बारे में जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अरुण कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि अभियान के दौरान 6.81 लाख शून्य से पांच साल तक के बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। रविवार को कुल 2703 बूथों पर पोलियो की खुराक पिलाई गई। जो बच्चे बूथ दिवस पर दवा पीने से छूट जाएंगे, उन्हें सोमवार से शुक्रवार तक स्वास्थ्य विभाग की 1761 टीमें 9.57 लाख घरों में घर-घर जाकर दवा पिलाएंगी। इन टीमों की निगरानी 530 सुपरवाइजर टीमों द्वारा की जाएगी। सीएमओ ने सभी से अपील की कि वे अपने शून्य से पाँच साल तक के बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाएँ।

इस अवसर पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने अभिभावकों से अपील की कि वे शून्य से पांच वर्ष तक के अपने बच्चों को नजदीकी बूथ पर ले जाकर दवा अवश्य पिलाएं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पोलियो के खिलाफ इस जंग को जीतने के लिए प्रत्येक बच्चे तक पहुंचना बेहद जरूरी है और कोई भी बच्चा खुराक पीने से छूटना नहीं चाहिए।

स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा अभियान को सफल बनाने और शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए विशेष रणनीति के तहत कार्य किया जा रहा है। साथ ही आमजन से भी इस महाअभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन (हल्ड) की ओर से डॉ. अमृता अग्रवाल, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. मेघना शर्मा समेत स्वास्थ्य केंद्र की समस्त एएनएम और विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

णमोकार महामंत्र से गूंजेगा मंदिर, आज सजेगी भव्य भजन संध्या



टीएनएफ टुडे ब्यूरो, आगरा।

- शाम 6 बजे से शुरू होगा भक्तिमय कार्यक्रमों का सिलसिला, भक्तामर पाठ और संगीतमय आरती के बाद ऑर्केस्ट्रा के साथ गूंजेंगे भजन

सेक्टर-4बी, आवास विकास कॉलोनी स्थित श्री 1008 प्रभु पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित आठ दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के क्रम में आगामी 23 नवंबर, सोमवार को विविध धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर शनिवार को मंदिर प्रांगण में नवग्रह युवक मंडल की बैठक संपन्न हुई, जिसमें आयोजनों से जुड़े आमंत्रण पत्र का विधिवत विमोचन किया गया। मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि 23 नवंबर के सायंकालीन सत्र की सभी व्यवस्थाएं नवग्रह युवक मंडल के तत्वावधान में की जाएंगी, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय पार्षद संजू सिकरवार सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे।

पदाधिकारियों ने बताया कि सोमवार को शाम 6:00 बजे से मंदिर परिसर में भक्ति कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू होगी, जिसके तहत शाम 6:00 बजे 35 मिनट तक णमोकार महामंत्र का सामूहिक पाठ किया जाएगा।

इसके बाद शाम 6:35 बजे श्री भक्तामर स्तोत्र का पाठ, शाम 7:00 बजे प्रभु की संगीतमय आरती और रात 8:00 बजे ऑर्केस्ट्रा पार्टी के साथ भव्य भजन संध्या आयोजित होगी, जिसके समापन पर श्रद्धालुओं के विमोचन अवसर पर सिद्धचक्र विधान के पुण्यार्जक परिवार से अशोक कुमार जैन (बर्तन वाले), मंदिर प्रबंध समिति सेक्टर-4बी के अध्यक्ष अभय जैन, मंत्री सुशील कुमार जैन, अशोक जैन, मुकेश जैन, सौरभ जैन, नवग्रह युवक मंडल के अध्यक्ष संदेश जैन, मंत्री अभिषेक जैन, मयंक जैन, संयोजक प्रवीन जैन, मीडिया प्रभारी लक्की जैन, संतोष जैन के साथ शाश्वत महिला मंडल, वधू मंडल सेक्टर-4बी की पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

के लिए प्रभावना की व्यवस्था भी रखी गई है।

आयोजन समिति ने शहर के सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से सपरिवार पहुंचकर धर्मलाभ लेने का आह्वान किया है। आमंत्रण पत्र

गुरु नानक देव जी के 557 में प्रकाश पर्व की तैयारियां अंतिम दौर में

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, आगरा।



गुरुद्वारा गुरु का ताल में पूरे दिन होगा विशाल समागम रंग बिरंगी लाइटों से सजावट आतिशबाजी होगी मुख्य आकर्षण लगभग सवा लाख से अधिक श्रद्धालु टेकेंगे माथा, लंगर प्रसाद करेंगे ग्रहण सिख धर्म के संस्थापक व प्रथम गुरु ,गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व कार्तिक पूर्णिमा 24 नवंबर को बहुत ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। जिसके चलते गुरुद्वारा गुरु का ताल में भी प्रकाश पर्व को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं गुरुद्वारा गुरु का लाल के मौजूदा मुखी संत बाबा प्रीतम सिंह जी ने बताया कि गुरुद्वारा गुरु का ताल में आकर्षक लाइटिंग रंग-बिरंगे आतिशबाजी और गुरु का अटूट लंगर की विशेष व्यवस्था श्रद्धालुओं के लिए की गई है। उन्होंने बताया कि गुरु नानक देव जी ने बिखरे हुए समाज में एकता लाने की साक्षात सभी को नाम जपने किरत करने यानी काम करने और वड छकने अर्थात आपस में बताकर खाने की का संदेश दिया जो आज भी सिख धर्म के अनुयाई उसका निरंतर पालन कर रहे हैं संत बाबा प्रीतम सिंह जी ने बताया प्रकाश पर्व के अवसर पर लगभग सवा लाख श्रद्धालु माथा टेक ने के लिए गुरुद्वारा गुरु का ताल पहुंचते हैं। जिनमें केवल सिख समाज ही नहीं बल्कि सिंधी पंजाबी हिंदू के साथ-साथ सभी धर्म व जातियों के लोगों की मौजूदगी रहती है।गुरुद्वारा गुरु का ताल में प्रातः 4:00 बजे से ही संगत की आवाजाही शुरू हो जाती है जो रात्रि 1:00 बजे तक जारी रहती है। सुबह से ही गुरुबाणी के शबद गुरुद्वारे में गूंजने लगते हैं।गुरु नानक देव जी की ओर से शुरू किया गया लंगर भी यहां बहुत ही आदर व सत्कार के साथ संगत मैं वितरित किया जाता है गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा मैथन के प्रधान कमलदीप सिंह ने बताया कि प्रकाश पर पर दिन का दीवान गुरुद्वारा में थन में प्रातः 7:00 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक सजेगा जबकि गुरुद्वारा गुरु का ताल में शाम के समय विशेष तौर पर आकर्षक लाइटिंग व आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रहेगी उन्होंने सभी नानक नाम लिया और संगत से गुरु घर में पहुंचकर हाजिरी लगाने की अपील की है व्हाइट गुरुद्वारा गुरु का ताल के मीडिया प्रभारी जसबीर सिंह ने बताया गुरुद्वारा गुरु का ताल का प्रतिनिधिमंडल विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात कर सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक, साफ सफाई आदि के लिए निवेदन कर चुका है व अपने मांग पत्र विभिन्न अधिकारियों को सौंप चुका है गुरुद्वारा गुरु का ताल में प्रकाश पर्व की तैयारियां तेजी से चल रही है ।

व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के साथ-साथ आने वाली संगत की सुविधा के लिए गुरुद्वारे के मौजूदा मुखी संत बाबा प्रीतम सिंह जी निरंतर गुरुद्वारा के जत्थेदार बाबा राजेंद्र सिंह इंदौरिया ,बाबा अमरीक सिंह ,महंत हरपाल सिंह , ज्ञानी केवल सिंह, ग्रंथि हरबंस सिंह ,टीटू सिंह, हरनाम सिंह, आदि के साथ बैठक कर हर छोटे से छोटे बिंदु पर निगाह बनाए हुए हैं।

दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक दिवसीय कैंप एवं 532 वें निशुल्क चिकित्सा एवं सहायता शिविर का आयोजन

आगरा। दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीईआई) द्वारा रविवार को 532वें चिकित्सा एवं सहायता शिविर एवं एक दिवसीय शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के साइंटिस्ट-जी / उप महानिदेशक डॉ. एल. पी. शर्मा ने शिविर का दौरा किया और संस्थान द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों का अवलोकन कर सराहना की। इस अवसर पर प्रो सी पटवर्धन, निदेशक, डी ई आई भी उपस्थित रहे. संस्थान द्वारा प्रत्येक रविवार को आयोजित होने वाले इस शिविर में ग्रामीणों और जरूरतमंदों को एक ही छत के नीचे एलोपैथिक, होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। शिविर में मरीजों की विभिन्न पैथोलॉजी जांचें की गईं और सभी को निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। स्वास्थ्य के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास और कुपोषण दूर करने के उद्देश्य से उन्हें प्रोटीन मिल्क, थ्रेप्टिन बिस्किट और च्यवनप्राश आदि पोषक तत्व भी प्रदान किए गए।

टक्कर का विरोध पड़ा भारी, पुलिस बूथ के सामने परिवार पर लाठी-हॉकी से हमला!

डंपर की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त, विरोध करने पर महिला समेत चार को पीटा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, सैंया।

- हाईवे चौराहे पर दबंगई, फोन कर बुलाए साथियों ने बरसाए लाठी-डंडे
- पुलिस बूथ के सामने मचा बवाल, मारपीट में परिवार के चार लोग घायल
- वायरल वीडियो के बाद हरकत में पुलिस, अज्ञात हमलावरों पर मुकदमा दर्ज

आगरा- ग्वालियर हाईवे स्थित सैंया चौराहे पर रविवार को दबंगई का मामला सामने आया है । पीछे से आए डंपर ने एक कार को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। जब कार सवारों ने इसका विरोध किया तो डंपर चालक ने फोन कर अपने समर्थकों को बुला लिया। समर्थकों ने पुलिस बूथ के सामने ही कार सवार परिवार पर लाठी-डंडों और हॉकी से हमला कर दिया। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब 11:30 बजे धौलपुर की सुरक्षा विहार कॉलोनी निवासी बैजनाथ (55) अपनी पत्नी सुमन देवी (52) और बेटे अनुज व सुधीर के साथ कार से आगरा अस्पताल में अपने रिश्तेदार को देखने जा रहे थे। इसी दौरान सैंया चौराहे पर आ रहे डंपर ने उनकी कार को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई।

कार सवारों द्वारा विरोध करने पर डंपर चालक ने फोन कर अपने साथियों को मौके पर बुला लिया। आरोप है कि इसके बाद सभी ने मिलकर कार सवार परिवार के साथ जमकर मारपीट की। घटना के दौरान चौराहे पर अफरा-तफरी मच गई। मारपीट में बैजनाथ, सुधीर, अनुज और सुमन देवी घायल हो गए। पुलिस ने घायल बैजनाथ, सुधीर और अनुज को मेडिकल परीक्षण के लिए सीएचसी सैंया भेजा है।

पीड़ित पक्ष ने डंपर चालक और उसके साथियों के खिलाफ थाना सैंया में लिखित तहरीर दी है। वहीं, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है ' प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र कुमार द्विवेदी ने बताया कि अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।'

कान्हा के रण में कंस का अंत, अधर्म पर धर्म की विजय

अक्रूर गमन से कंस वध तक की लीला ने किया भावविभोर, आतिशबाजी के बीच धू-धू कर जला कंस का पुतला

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, आगरा।



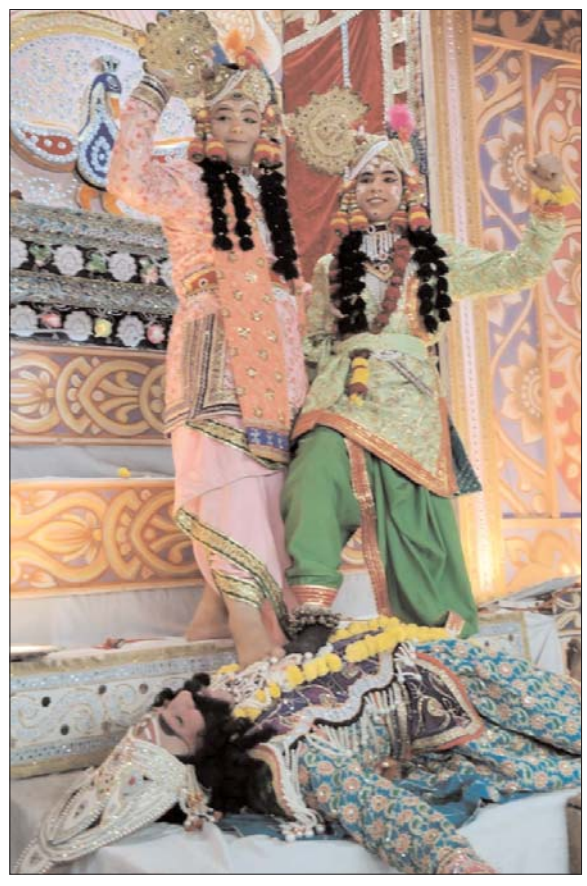

जब-जब धरती पर अधर्म और अत्याचार बढ़ता है, तब-तब भगवान धर्म की स्थापना के लिए अवतार लेते हैं। इसी शाश्वत संदेश के साथ बल्केश्वर स्थित गौशाला के लीलास्थल पर आयोजित श्रीकृष्ण लीला महोत्सव में अक्रूर गमन एवं कंस वध की लीला का भव्य और भावपूर्ण मंचन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण की मथुरा यात्रा, अत्याचारी कंस के अंत और माता देवकी-वसुदेव की कारागार से मुक्ति के दृश्यों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। लीला के समापन पर कंस के विशाल पुतले का दहन किया गया। आकर्षक आतिशबाजी ने आसमान को रोशनी से भर दिया और पूरा लीलास्थल श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा।

लीला का प्रारंभ केशी उद्धार एवं व्योमासुर उद्धार के प्रसंगों से हुआ। इसके बाद नारदजी ने कंस के दरबार में पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण के मथुरा आगमन की सूचना दी। कंस ने श्रीकृष्ण को मथुरा बुलाने के लिए अक्रूरजी को ब्रज भेजा। अक्रूरजी के साथ भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के मथुरा प्रस्थान का दृश्य अत्यंत भावुक रहा। गोपियों का विरह, कान्हा से बिछुड़ने की व्याकुलता और ब्रजवासियों की भावनाओं का कलाकारों ने मार्मिक अभिनय किया।मथुरा पहुंचने पर नगरवासियों ने भगवान श्रीकृष्ण का स्वागत किया। इसके बाद हाथी वध, धनुष भंग, अखाड़े में प्रवेश तथा चाणूर और मुष्टिक के उद्धार की लीला का मंचन हुआ। अंततः भगवान श्रीकृष्ण ने कंस का वध कर मथुरा को उसके अत्याचारों से मुक्त कराया। कारागार में बंद माता देवकी और वसुदेव को मुक्त कराया तथा उग्रसेनजी का राजतिलक कर धर्म और न्याय की स्थापना की।

धू-धू कर जला कंस का पुतला, अग्नि की लपटों के साथ दिखे अद्भुत दृश्य

मंच पर कंस वध के बाद भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप ने कंस के पुतले के समीप पहुंचकर उसमें अग्नि प्रज्वलित की। श्री कृष्ण स्वरूप के साथ चेंबर अध्यक्ष मनोज बंसल, अजय गर्ग अवगढ़ और प्रशांत जैन अतिथि रूप में मौजूद रहे । इनके साथ दीपक गुप्ता,मुन्नालाल गुप्ता,प्रशांत जैन, संजय गर्ग,मनोज अग्रवाल, अनूप गोयल, आदर्श नंदन गुप्ता, के सी अग्रवाल, संजय अग्रवाल, मनोज बंसल, गिर्राज बंसल शामिल रहे।आग लगते ही पुतले के मुख तक अग्नि पहुंची और उसके दांत खिलखिलाने लगे। इसके बाद पुतले से झरना फूट पड़ा और नाभि में लगा चक्र भी घूमने लगा। देखते ही देखते पुतला धू-धू कर जल उठा और कुछ ही देर में राख के ढेर में तब्दील हो गया। इस अद्भुत दृश्य को देखकर दर्शकों ने जयकारों के साथ भगवान श्रीकृष्ण का अभिनंदन किया।

आतिशबाजी से आसमान में साकार हुआ श्रीकृष्ण लीला महोत्सव 2026*

पुतला दहन से पूर्व अजय कांत पटाखे वालों (मथुरा) की ओर से आकर्षक आतिशबाजी का प्रदर्शन किया गया। कभी आसमान में सितारे झिलमिलाए तो कभी मिसाइलों की गूंज से वातावरण रोमांचित हो उठा। रंग-बिरंगे झरने, घूमते चक्र और चरखियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। आतिशबाजी के माध्यम से आसमान में 'श्री कृष्ण लीला महोत्सव 2026' और 'ॐ' की आकर्षक आकृतियां भी साकार हुईं।

श्रीकृष्ण लीला समिति के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की लीला हमें सिखाती है कि अत्याचार, अहंकार और अन्याय चाहे कितने भी शक्तिशाली क्यों न हों, सत्य और धर्म के सामने उनका अंत निश्चित है। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन लोकमंगल, न्याय, करुणा और धर्म की स्थापना का शाश्वत संदेश देता है।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, महामंत्री विजय रोहतगी, शेखर गोयल, संजय गर्ग (बड़े), अशोक गोयल, बृजेश अग्रवाल, गिर्राज बंसल, केसी अग्रवाल, विष्णु कुमार अग्रवाल आदि ने अतिथियों का स्वागत किया।

आज निकलेगी श्रीकृष्ण-बलराम की भव्य शोभायात्रा

श्रीकृष्ण लीला महोत्सव के अंतर्गत सोमवार को श्रीकृष्ण-बलराम की भव्य शोभायात्रा सायं 4 बजे निकाली जाएगी। समिति के महामंत्री विजय रोहतगी और ब्रजेश अग्रवाल ने बताया कि शोभायात्रा में देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियों के साथ सामाजिक संदेश देने वाली झांकियां भी शामिल होंगी।

शोभायात्रा गौशाला प्रांगण, बल्केश्वर रोड से प्रारंभ होकर जीवनी मंडी, भैरों बाजार, बेलनगंज, कचहरीघाट, छत्ता बाजार, दरेसी नंबर-2, रावतपाड़ा, सुभाष बाजार, जौहरी बाजार, कसेरट बाजार, किनारी बाजार, सेव का बाजार, फुलट्टी, छिली ईंट घटिया, सिटी स्टेशन मार्ग, धूलियागंज और बेलनगंज तिकोनिया होते हुए पुनः गौशाला पहुंचेगी।



कॉस्मेटोलॉजी के फील्ड में संवारें अपना कॅरियर...

अगर आप भी न सिर्फ खुद को बल्कि दूसरों की भी पर्सनालिटी को निखानने और उनको खूबसूरत बनाने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आप कॉस्मेटोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। वर्तमान समय में कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री तेजी से ग्रोथ कर रहा है।

आज के समय में हर कोई स्टाइलिश दिखना चाहता है। यही कारण है कि वर्तमान समय में न सिर्फ शहर बल्कि गांव तक में ब्यूटी सैलून, स्पा और कॉस्मेटिक क्लिनीक्स में दिन पर दिन इजाफा होता जा रहा है। जिसकी वजह से तेजी से कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री में ग्रोथ आ रहा है। आपको बता दें कि ब्यूटी एंड पर्सनल केयर मार्केट के रिपोर्ट के मुताबिक साल 2027 तक भारत की कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री की वर्थ 33.3 मिलियन यूएस डॉलर पहुंच जाएगी। ऐसे में अगर आप भी न सिर्फ खुद को बल्कि दूसरों की भी पर्सनालिटी को निखानने और उनको खूबसूरत बनाने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आप कॉस्मेटोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप कॉस्मेटोलॉजी में किस तरह से अपना कॅरियर बना सकते हैं।

कॉस्मेटोलॉजी के लिए योग्यता

कॉस्मेटोलॉजी में ग्रेजुएशन करने के लिए जरूरी है कि आपने मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास की है। किसी भी स्ट्रीम के छात्र कॉस्मेटोलॉजी में अपना कॅरियर बना सकते हैं। इस कोर्स को करने में 10 हजार से लेकर 2 लाख रुपए तक का खर्च आएगा। साथ ही आप इस कोर्स को ऑनलाइन और ऑफलाइन कर सकते हैं। कॉस्मेटोलॉजी में आप डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, पीजी डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएट कर सकते हैं।

कॉस्मेटोलॉजी का स्कोप

इस क्षेत्र में पढ़ाई करने वाले लोग कॉस्मेटिक सर्जन, मेकअप आर्टिस्ट, हेयर स्टाइलिस्ट, नेल आर्टिस्ट, मेकअप आर्टिस्ट, ब्यूटी कॉपीराइटर, ब्यूटी ब्लॉगर, इमेज स्टाइलिस्ट, हेयर ड्रेसर और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट जैसे प्रोफाइल पर काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में आप एक महीने में 25 हजार से 35 हजार रुपए तक आसानी से कमा सकते हैं। वहीं आप बतौर हेयर स्टाइलिस्ट, नेल टेक्नीशियन, फैशन शो स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट बन ज्यादा पैसे कमा सकते हैं।



बेहतर करियर हो सकता है
ऑप्थैलमिक असिस्टेंट

मेडिकल सेक्टर में डॉक्टर बनने के अलावा अब करियर के अनगिनत विकल्प हैं। अगर आप इसमें एंट्री करना चाहते हैं, तो ऑप्थैलमिक असिस्टेंट एक बेहतर करियर हो सकता है। इस तरह के ट्रेंड प्रोफेशनल अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से आंखों की जांच करके सटीक डायग्नोसिस तक पहुंचते हैं।

मेडिकल फील्ड में पैरामेडिकल साइंस की भूमिका को आज के दौर में कतई नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। डायग्नोस्टिक तकनीक हेल्थकेयर सेक्टर के लिए सबसे बड़ा वरदान साबित हुई है। आज अमूमन सभी स्पेशलिस्ट आम तौर पर लैब टेस्ट, एक्सरे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड या सीटी स्कैन की रिपोर्ट्स के नतीजों पर ही निर्भर हैं। एक अनुमान के मुताबिक, 2050 तक देश की आबादी करीब 150 करोड़ हो जाएगी। आज आबादी के लिहाज से देश में ऑप्थैलमिक असिस्टेंट, लैब टेक्निशियन या रेडियोलॉजिस्ट जैसे ट्रेंड क्वॉलिफाइड स्टाफ की बेहद कमी है। मौजूदा समय में देश में करीब 10 लाख पैरामेडिकल स्टाफ की शॉर्टेज है।

क्या है ऑप्थैलमोलॉजी?

ऑप्थैलमोलॉजी चिकित्सा विज्ञान की ही एक शाखा है। इसमें आंख संबंधी बीमारियों की जांच व उपचार किया जाता है। ऑप्थैलमिक असिस्टेंट हेल्थकेयर सेक्टर का एंट्री-लेवल जॉब है। ये ऑप्थैलमोलॉजिस्ट, यानी नेत्र चिकित्सक के सह यक के तौर पर अपनी सेवाएं देते हैं। किसी भी अस्पताल या नर्सिंग होम में ऑप्थैलमिक असिस्टेंट मुख्य रूप से मरीजों की मेडिकल इंफॉर्मेशन जुटाने, उपचार के बारे में उन्हें समझाने से लेकर चिकित्सक से पहले मरीजों की कुछ आरंभिक जांच करने तथा उपकरणों को मेंटेन रखने जैसी जिम्मेदारियां निभाते हैं।

जॉब के अवसर

ऑप्थैलमोलॉजी में डिप्लोमा कोर्स करने के बाद युवा सरकारी या प्राइवेट दोनों तरह के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। ऐसे प्रोफेशनल्स हॉस्पिटल्स, नर्सिंग होम्स, आई क्लीनिक्स, लेजर आई सर्जरी क्लीनिक्स, डायग्नॉस्टिक सेंटर्स आदि में जॉब पा सकते हैं। ऑप्थैलमिक असिस्टेंट अनुभव के बाद टेक्निशियन बनकर खुद का क्लीनिक या आई सेंटर भी खोल सकते हैं।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

ऑप्थैलमिक असिस्टेंट बनने के लिए देश के कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान कोर्स ऑफर कर रहे हैं। फिजिक्स, केमिस्ट्री व बायोलॉजी विषयों से 12वीं पास युवा ऑप्थैलमोलॉजी में 2 वर्ष का डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं।

सैलरी

कोर्स पूरा करने के बाद एक ऑप्थैलमिक असिस्टेंट के रूप में शुरूआत करने पर 10 से 12 हजार रुपए सैलरी आसानी से मिल जाती है। अनुभव बढ़ने पर ऐसे प्रोफेशनल्स 25 से 30 हजार रुपए तक सैलरी पा सकते हैं।

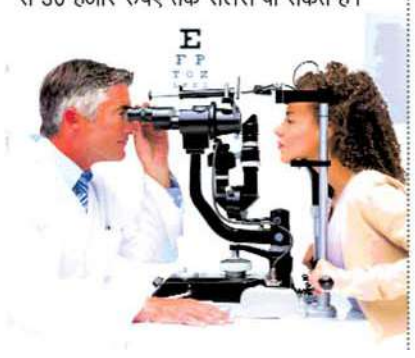

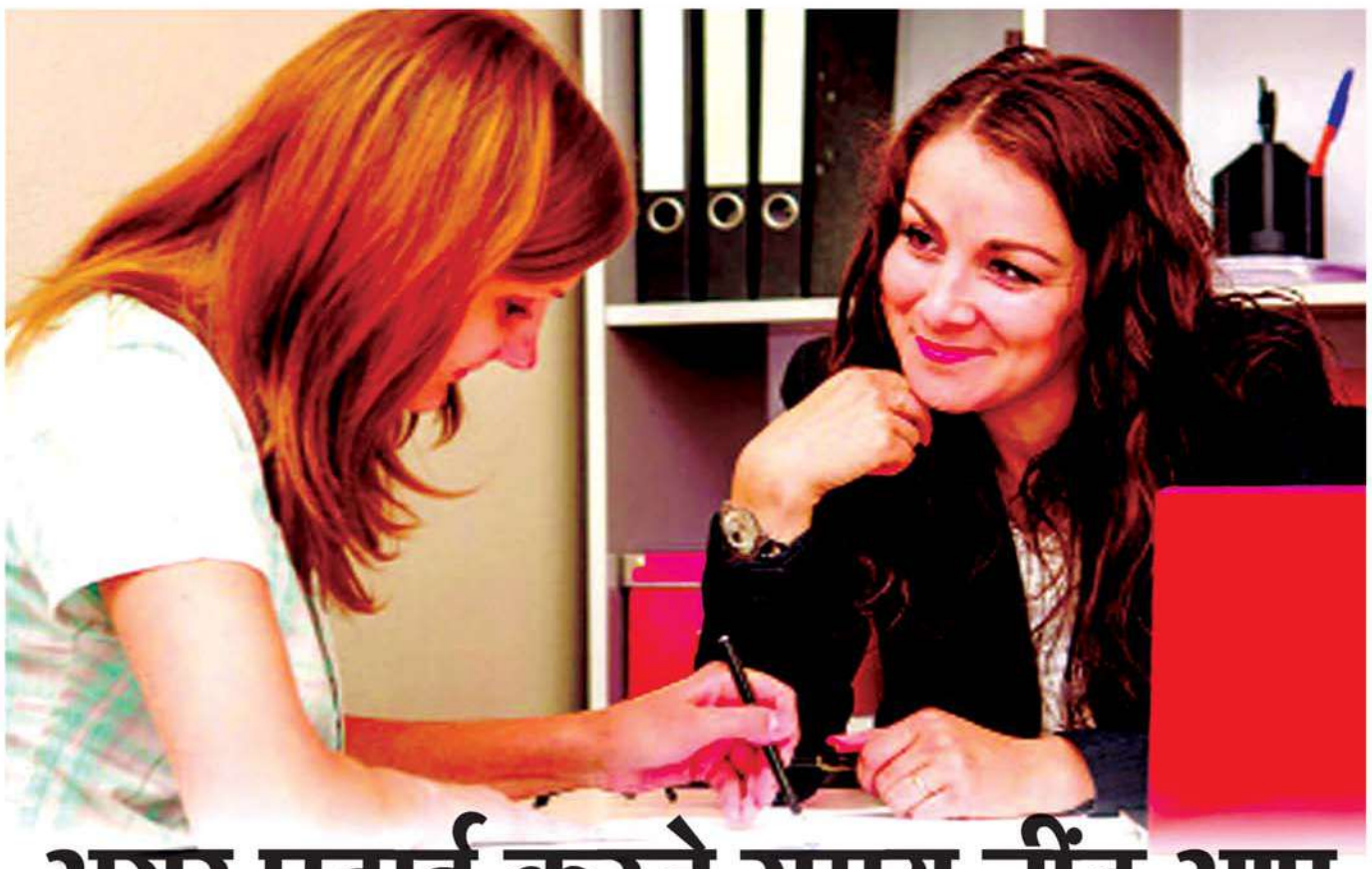

अगर पढ़ाई करते समय नींद आए तो पढ़े अपना पसंदीदा विषय

क्या आपको अलसुबह पढ़ाई करते समय नींद आती है क्या आप सुबह पढ़ाई करने पर आपको कुछ याद नहीं होता है? अगर हां तो, जान लें कि सुबह-सुबह पढ़ाई करते हुए नींद आने की यह बहुत आम समस्या है। लाखों छात्र ऐसे हैं जो सुबह पढ़ाई करने उठते तो हैं, लेकिन नींद आने के कारण पढ़ाई कर नहीं पाते। नींद की वजह से हमारा दिमाग काम करना बंद कर देता है और हमें कुछ याद नहीं आता। आंखों में नींद घुलने पर हम कुछ समय तो जबरदस्ती पढ़ने की कोशिश करते हैं लेकिन आखिर में जब सब कुछ हमारे बस से बाहर हो जाता है तो हमें बेबस होकर सोना ही पड़ता है। जिसके कारण छात्र चाहकर भी अपना सिलेबस पूरा नहीं कर पाते और दूसरों से पीछे रह जाते हैं। आपकी इस समस्या को ध्यान में रखकर हम यहां पर आसान टिप्स लेकर आए हैं, जिनको फॉलो करने पर आपकी नींद भाग जाएगी और आप आसानी से पढ़ाई कर सकेंगे।

अच्छी रोशनी में करें पढ़ाई

सुबह उठने के बाद बहुत से विद्यार्थी सिर्फ एक स्टडी लैंप जला कर पढ़ाई करने की कोशिश करते हैं। एक लैंप की वजह से कमरे के बाकी हिस्से में तकरीबन अंधेरा रहता है। इस कम रोशनी और शांति वातावरण में नींद आना स्वभाविक है। ऐसी स्थिति में स्टडी रूम की लाइट ठीक रखें।

बेड पर बैठकर कभी न करें पढ़ाई

छात्रों के बीच यह समस्या भी आम है। कई लोग सुबह उठने के बाद बेड पर बैठकर ही पढ़ाई शुरू कर देते हैं। इससे आपको आलस आ सकता है। आप धीरे धीरे लेट कर पढ़ने की कोशिश करेंगे और फिर नींद आपको अपने आगोश में ले लेगी। इसलिए पढ़ाई करते समय हमेशा कुर्सी पर सही ढंग से पीठ सीधी करके ही बैठें। सामने एक टेबल रखें और किताब गोद में रखकर पढ़ने की बजाए सामने टेबल पर रखकर पढ़ें। कुर्सी पर बैठे समय भी अपने हाथ या पांव कुछ-कुछ समय बाद हिलाते रहें। इससे आपके अन्दर सक्रियता बनी रहेगी।

सुबह उठकर ताजी हवा लें और टहले

सुबह उठने के बाद अगर आप तुरंत पढ़ाई करने बैठ जाएंगे, तो जाहिर है आपको नींद आएगी ही। इसलिए उठने के बाद सबसे पहले अपनी दैनिक क्रिया पूरी करें ओर फिर बालकनी में या फिर बाहर जाकर थोड़ी देर टहलें। इससे जहां आपकी एक्सरसाइज हो जाएगी वहीं आपको ताजी हवा भी मिलेगी। इस क्रिया से आपकी नींद पूरी तरह से गायब हो जाएगी। इसके बाद आप कई घंटे तक आराम से पढ़ाई कर सकते हैं।

जल्दी सोएं और जल्दी उठने का रूटीन बनाएं

जल्दी सोने और जल्दी उठने से शारिरिक तंदरुस्ती, समृद्धि व दिमागी शक्ति में बढ़ावा होता है। छात्रों के जीवन में भी इस कथन का उतना ही महत्व है जितना एक आम आदमी के जीवन में। रात को जल्दी सोने से आप प्रयाप्त नींद ले सकते हैं, जिससे आप सुबह बिलकुल तरोताजा उठेंगे। फ्रेश माइंड से चीजें याद रखना बहुत ही आसान होता है। वहीं नींद पूरी होने के बाद पढ़ाई करते वक्त फिर से नींद आने का कोई मतलब नहीं बनता।

सुबह उठने के बाद पानी जरूर पीएं

सुबह उठने के बाद पानी जरूर पीयें। साथ ही पढ़ाई के दौरान भी कुछ कुछ समय बाद पानी पीते रहें। यह न सिर्फ आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होगा बल्कि इससे आपको एक और फायदा मिलेगा। ज्यादा पानी पीने से आप को कुछ-कुछ देर बाद अपनी सीट से उठकर टॉयलेट के लिए जाना पड़ेगा, जिससे आपके शरीर की निष्क्रयता टूटेगी और आप सक्रिय बने रहेंगे। साथ ही ज्यादा पानी पीने से दिमाग हाइड्रेटेड व तरोताजा रहता है। इससे सक्रियता बनी रहती है जिससे आसानी से पाठ याद करने में सहायता मिलती है।

नींद आए तो चेहरे पर पानी के छींटे मारें

देर रात तक लगातार पढ़ने के बाद अगर आप सोते हैं, तो सुबह उठने में मुश्किल होती है। थके हुए दिमाग के साथ पढ़ाई करने पर हमें बार-बार नींद आती है। अगर आपके साथ ऐसा हो तो तुंरत उठें और बाथरूम में जाकर अपने चेहरे पर पानी के छींटे मारे। इससे आपकी सुस्ती व उनींदापन दूर होगा और आपका दिमाग नए तरीके से चीजों को याद करने के लिए तरोताजा हो जायेगा। पढ़ने व याद करने के लिए सुबह का समय सबसे अच्छा माना जाता है। सुबह पढ़ा विषय अच्छे से याद होता है। हालांकि अगर पढ़ते हुए आपको नींद आती है तो आप सुबह पढ़ने के लिए वो विषय चुनें जो आपके फेवरेट हो और जिन्हें आप आसानी से समझ व याद कर सकते हैं। सरल विषय या टॉपिक्स को पढ़ने और याद करने के लिए आपको ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। जिससे आपको बोरियत भी नहीं होगी और आप ज्यादा देर तक बैठकर पढ़ाई कर पाएंगे।



लिखकर करें या बोल कर करें पढ़ाई

अगर आप पढ़ाई के दौरान नींद से परेशान रहते हैं तो यह तरीका पढ़ाई करते वक्त होने वाली बोरियत तथा आने वाली नींद को दूर भगाने में काफी हद तक कारगार सिद्ध होता है। हर विषय को इस तरह से बोल बोल कर पढ़ें जैसे कि क्लास में टीचर पढ़ाते हैं। इससे आपका दिमाग सतर्क बना रहता है और नींद आने की सम्भावना भी कम हो जाती है। इसके अलावा खुद को एक्सप्लेन करके पढ़ने से चीजों को याद करना भी बहुत आसान हो जाता है। इसके साथ ही पाठ को सिर्फ मौखिक रूप से याद करने की बजाये मुश्किल उत्तरों या सवालों को लिखकर भी याद करें।

अंक शास्त्री बनकर संवारा जा सकता है भविष्य

न्यूमरोलॉजी एक बेहद पुरानी प्रैक्टिस है, जिसका सालों से पूरी दुनिया में अभ्यास किया जाता रहा है। अपनी जन्मतिथि और पूरे नाम के आधार पर एक सरल चार्ट बनाकर, आप अपने और दूसरों के लिए संतोषजनक अंतदृष्टि प्राप्त कर सकते हैं। आज के समय में हर व्यक्ति जानना चाहता है कि उसका भविष्य कैसा होगा। भले ही फिर बात बच्चों की पढ़ाई की हो या फिर कॅरियर की, अंक शास्त्र के जरिए भविष्य की परतों को खोलने की कोशिश की जाती है। अगर आप भी चाहें तो बतौर न्यूमरोलॉजिस्ट या अंक शास्त्री बनकर ना सिर्फ खुद का बल्कि दूसरों का भी भविष्य संवारा जा सकता है। तो चलिए जानते हैं इस करियर क्षेत्र में बारे में विस्तारपूर्वक-

क्या है न्यूमरोलॉजी

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि बहुत से लोग सोचते हैं कि न्यूमरोलॉजी पूरी तरह से कन्फ्यूजिंग मैथ्स, फार्मूला और कई तरह के विभिन्न सिद्धांतों से भरी हुई है। जबकि ऐसा नहीं है। अंक विज्ञान वास्तव में संख्याओं की मदद से दूसरों की समस्याओं से सुलझाने की एक कला है। कुछ लोग यह भी सोचते हैं कि संख्याएं भविष्य कैसे बता सकती हैं। संख्याओं में गहरे अर्थ और प्रासंगिक जानकारी के साथ आपके भविष्य को समझने की शक्ति है। यदि आप ज्योतिष से अवगत हैं, तो निश्चित रूप से आप जानते हैं कि ज्योतिष व्यक्ति के जन्म की तारीख, समय और जन्म के समय के माध्यम से भविष्य की भविष्यवाणी करने का एक तरीका है। कुंडली के माध्यम से ज्योतिषी व्यक्ति के भविष्य और जीवन से जुड़ी जानकारी बताते हैं। ठीक उसी तरह, न्यूमरोलॉजी भी काम करती है।

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, न्यूमरोलॉजिस्ट व्यक्ति के जन्म की तारीख का उपयोग उसके व्यक्तित्व लक्षण, भाग्य, घटनाओं और परिस्थितियों का अनुमान लगाने के लिए करते हैं। ज्योतिष की तरह, न्यूमरोलॉजी व्यक्ति के जीवन का एक खाका प्रदान करती है जो काफी सटीक है। न्यूमेरोलॉजिस्ट बनने के कई तरीके हैं। लेकिन किसी चीज में विशेषज्ञ बनने के लिए, आपको कला को पूरी तरह से सीखना होगा। ऐसे कई विकल्प हैं जिनके माध्यम से आप न्यूमेरोलॉजी सीख सकते हैं और न्यूमरोलॉजी विशेषज्ञ बन सकते हैं। इसके लिए कोई शैक्षणिक योग्यता का होना आवश्यक नहीं है। आज कई न्यूमरोलॉजी एक्सपर्ट खुद ही सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स प्रदान करते हैं। इन कोर्स को करने से आपको अंक शास्त्र और नंबरों के पीछे की गहराई को समझने में मदद मिलती है। इसके बाद आप बतौर एक प्रोफेशनल न्यूमरोलॉजिस्ट बनकर काम कर सकते हैं। वैसे इन दिनों न्यूमरोलॉजी के क्षेत्र में ऑनलाइन कोर्स का चलन भी काफी बढ़ गया है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि जहां तक प्रश्न व्यक्तिगत योग्यता का है तो इसके लिए सबसे जरूरी है कि आपके भीतर अंकों व उसकी गहराई को जानने की इच्छा हो। इस क्षेत्र में चीजों को सीखने व समझने के लिए बेहद धैर्य की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, दूसरों की परेशानी को सुनकर सटीक अनुमान लगाना भी आपको आना चाहिए। बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स आपके काम को आसान बनाते हैं।

संभावनाएं

आज के समय में हर व्यक्ति जानना चाहता है कि उसका भविष्य कैसा होगा और इसलिए अनुभवी न्यूमरोलॉजिस्ट हमेशा डिमांड में रहते हैं। आप चाहें तो स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकते हैं या फिर शुरूआत में किसी अनुभवी न्यूमरोलॉजिस्ट के साथ मिलकर काम करना अच्छा रहेगा। इसके अलावा, कई मीडिया हाउस भी न्यूमरोलॉजी शो प्रसारित करते हैं, जिनके लिए अनुभवी न्यूमरोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है।



चौथा दिन: न्यूजीलैंड पर हार का खतरा मंडराया, दूसरी पारी में स्कोर 119/2, भारत से 233 रन पीछे

❍ एजेंसी, वेलिंगटन।

भारतीय टीम ने वेलिंगटन टेस्ट के चौथे दिन पूरी तरह अपना दबदबा बनाए रखा। ऋषभ पंत के तूफानी शतक और ध्रुव जुरेल की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने पहली पारी नौ विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित की। इस तरह टीम इंडिया को पहली पारी के आधार पर 352 रन की विशाल बढ़त मिली। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में भी शुरूआत अच्छी नहीं रही। जसप्रीत बुमराह ने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। मेजबान टीम अभी भी भारत से 233 रन पीछे है और उसके सामने टेस्ट मैच बचाने की बड़ी चुनौती है।

पंत ने शतक से बदला मैच का रुख, भारत ने तेजी से बनाए रन

चौथे दिन भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 486 रन से आगे खेलना शुरू किया। क्रीज पर ऋषभ पंत 55 रन बनाकर मौजूद थे, जबकि अंशुल कंबोज को अपना खाता खोलना बाकी था। भारत की नजर बड़ी बढ़त हासिल करने पर थी। पंत ने दिन की शुरूआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने अंशुल कंबोज के साथ मिलकर तेजी से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी हुई। अंशुल कंबोज ने 42 गेंदों में 38 रन बनाए। उन्हें ग्लेन फिलिप्स ने डेवोन कॉनवे के हाथों कैच कराया।

इसके बाद पंत को ध्रुव जुरेल का साथ मिला। दोनों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। पंत ने ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर चौका और अगली ही गेंद पर छक्का लगाकर अपने टेस्ट करियर का नौवां शतक पूरा किया। उनके शतक पूरा करते ही भारतीय ड्रेसिंग रूम में जश्न का माहौल बन गया। पंत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। पंत ने 153 गेंदों में 10 चौकों और छह छक्कों की मदद से 128 रन बनाए। वह लंच से ठीक पहले रचिन रवींद्र की गेंद पर नाथन स्मिथ के हाथों कैच आउट हुए। उन्होंने ध्रुव जुरेल के साथ छठे विकेट के लिए 75 रन जोड़े। इस दौरान पंत ने टेस्ट क्रिकेट में अपने छक्कों की संख्या 108 तक पहुंचा दी और सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम को पीछे छोड़ दिया।

जुरेल ने भी खेली शानदार पारी, भारत ने 720 रन पर घोषित की पारी



ऋषभ पंत के आउट होने के बाद ध्रुव जुरेल ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने एक छोर पर टिककर बल्लेबाजी की और अपना तीसरा टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। जुरेल ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ भी उपयोगी साझेदारी की। वॉशिंगटन सुंदर ने 24 रन बनाए। उन्हें रचिन रवींद्र ने अपनी ही गेंद पर कैच किया। इसके बाद आकाश दीप ने भी तेज अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने पांच गेंदों में दो छक्कों की मदद से 13 रन बनाए, लेकिन ग्लेन फिलिप्स ने उन्हें टॉम लाथम के हाथों कैच करा दिया। दूसरी ओर जुरेल ने अपनी पारी जारी रखी। उन्होंने 79 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 78 रन बनाए। 720 के स्कोर पर जुरेल का विकेट गिरते ही कप्तान शुभमन गिल ने भारतीय पारी घोषित कर दी। जसप्रीत बुमराह सात रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने नौ विकेट पर 720 रन बनाए और पहली पारी में 352 रन की बढ़त हासिल की।

भारत ने बनाए कई बड़े रिकॉर्ड

भारतीय टीम की 720 रन की पारी सिर्फ बड़ी बढ़त के लिहाज से ही खास नहीं रही, बल्कि इस दौरान कई रिकॉर्ड भी बने। भारत का यह विदेशी धरती पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा। इसके अलावा एएठअ देशों यानी दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीय टीम ने अपना सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर बनाया। इस पारी की एक और बड़ी उपलब्धि शुरूआती सात विकेट के लिए लगातार 50 या उससे ज्यादा रन की साझेदारियां होना रही। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ। भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल ने 85, केएल राहुल ने 136, देवदत्त पडिक्कल ने 80, शुभमन गिल ने 98 और ऋषभ पंत ने 128 रन बनाए। ध्रुव जुरेल ने 78 रन की पारी खेली। अंशुल कंबोज ने 38, वॉशिंगटन सुंदर ने 24 और आकाश दीप ने 13 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने तीन विकेट लिए। रचिन रवींद्र को दो विकेट मिले, जबकि मैट हेनरी, काइल जेमीसन, जैकब डफी और नाथन स्मिथ ने एक-एक विकेट हासिल किया।

बुमराह ने फिर पहले ओवर में लाथम को किया आउट

352 रन की बड़ी बढ़त मिलने के बाद भारतीय गेंदबाजों के सामने न्यूजीलैंड को दूसरी पारी में जल्द समेटने की चुनौती थी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने जसप्रीत बुमराह को गेंद थमाई और उन्होंने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को अपना शिकार बनाया। बुमराह ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी के शुरूआती ओवर में ही लाथम को ऋषभ पंत के हाथों कैच करा दिया। लाथम दो गेंद खेलकर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। खास बात यह रही कि न्यूजीलैंड की पहली पारी में भी बुमराह ने लाथम को पारी के शुरूआती ओवर में ही आउट किया था। इसके बाद डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की। हालांकि, प्रसिद्ध कृष्णा ने निकोल्स को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। पहली पारी में 175 रन बनाने वाले निकोल्स दूसरी पारी में 59 गेंदों पर 31 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने तीन चौके लगाए। प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद उनके बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर जांघ से टकराई और शॉर्ट लेग पर खड़े ध्रुव जुरेल ने शानदार कैच लपक लिया।

कॉनवे का अर्धशतक, रचिन के साथ संभाली पारी

दो विकेट गिरने के बाद डेवोन कॉनवे और रचिन रवींद्र ने न्यूजीलैंड की पारी को संभाला। कॉनवे ने संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने टेस्ट करियर का 14वां अर्धशतक लगाया। दिन का खेल समाप्त होने तक कॉनवे 59 रन और रचिन रवींद्र 27 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 59 रन की अटूट साझेदारी हो चुकी है। न्यूजीलैंड ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में 45 ओवर में दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। टीम अभी भी भारत की पहली पारी के स्कोर से 233 रन पीछे है।

पांचवें दिन भारत के सामने पारी से जीत दर्ज करने का मौका

वेलिंगटन टेस्ट का पांचवां दिन बेहद रोमांचक होने वाला है। भारतीय टीम को पारी से जीत दर्ज करने के लिए न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल करने होंगे। वहीं मेजबान टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती पूरे दिन बल्लेबाजी करके मैच बचाने की होगी। भारत के पास 352 रन की विशाल पहली पारी की बढ़त है। ऐसे में अगर भारतीय गेंदबाज शुरूआती सत्र में विकेट निकालने में कामयाब रहते हैं तो न्यूजीलैंड पर दबाव और बढ़ सकता है। फिलहाल कॉनवे और रचिन की साझेदारी मेजबान टीम की उम्मीदों को जिंदा रखे हुए है। अब देखना दिलचस्प होगा कि पांचवें दिन भारतीय गेंदबाज न्यूजीलैंड की दूसरी पारी को कितनी जल्दी समेट पाते हैं या फिर कीवी बल्लेबाज संघर्ष करते हुए टेस्ट मैच बचाने में सफल होते हैं।

सैंडपेपरगेट विवाद: एमसीसी ने तोड़ी चुप्पी, सजा को बताया जायज

❍ एजेंसी, सिडनी।

मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के क्रिकेट प्रमुख फ्रेजर स्टीवर्ट ने रविवार को कहा कि क्रिकेट गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल खेल के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है और इसके लिए दी गई सजा उचित थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में छाया यह विवाद जल्द ही पीछे छूट जाएगा और क्रिकेट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर चर्चा होगी।

वर्ष 2018 में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच केपटाउन टेस्ट के दौरान सामने आया सैंडपेपरगेट विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने अपनी आत्मकथा में इस मामले को लेकर कुछ सनसनीखेज खुलासे किए हैं। इसके बाद क्रिकेट जगत में एक बार फिर इस प्रकरण पर बहस छिड़ गई है।

सजा को बताया जायज

स्टीवर्ट ने कहा, क्रिकेट के नियमों के लिहाज से गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन है। इस बात पर शायद ही किसी को संदेह हो। आठ साल बाद इस मामले में कौन क्या जानता था और किसकी क्या भूमिका थी, इस पर नए आरोप लगाना एमसीसी की टिप्पणी का विषय नहीं है। क्रिकेट को अखबारों के पन्ने पर विवादों के कारण नहीं, बल्कि खेल से जुड़ी उपलब्धियों के लिए जगह मिलनी चाहिए। किसकी गलती थी और कौन सही था, इस पर टिप्पणी करना मेरे अधिकार क्षेत्र में नहीं है। हालांकि, नियमों के नजरिये से गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल अवैध था और इसके लिए सजा दिया जाना उचित था।
ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड (सीए) ने इस विवाद की जांच जल्दबाजी में पूरी की थी या नहीं, इस सवाल पर स्टीवर्ट ने कहा कि इसकी जांच करना क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का अधिकार क्षेत्र है। उन्होंने कहा, 'इस मामले में दोनों पक्षों की अपनी-अपनी राय है। मुझे नहीं पता कि वास्तविक सच्चाई क्या है।' स्टीवर्ट ने उम्मीद जताई कि अगले साल इंग्लैंड में होने वाली बहुप्रतीक्षित एशेज सीरीज तक यह विवाद पीछे छूट जाएगा और प्रशंसक क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

नो हैंडशेक नीति पर क्या बोले स्टीवर्ट

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैचों में हाथ नहीं मिलाने की नीति पर पूछे गए सवाल पर भी स्टीवर्ट ने सीधी टिप्पणी करने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि कुछ मुद्दे क्रिकेट से परे होते हैं और भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर बोलना उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। उन्होंने कहा, हमारे नियंत्रण में केवल इतना है कि मैदान पर खिलाड़ी एक-दूसरे का सम्मान करें, अंपायरों और उनके फैसलों का सम्मान करें तथा खेल की गरिमा बनाए रखें।

टेस्ट में लागू होगा फ्री हिट

स्टीवर्ट ने इस मौके पर संकेत दिया कि एमसीसी टेस्ट क्रिकेट में भी नो-बॉल के बाद फ्री हिट देने के प्रावधान पर विचार कर सकता है। फिलहाल यह नियम सीमित ओवरों के क्रिकेट में लागू है। उन्होंने कहा, इस विषय पर चर्चा हुई है, लेकिन फिलहाल सभी प्रारूपों में फ्री हिट लागू करने का फैसला नहीं किया गया है।

आश्रम 4: शुरू हुआ 'बाबा निराला' की वापसी का काउंटडाउन

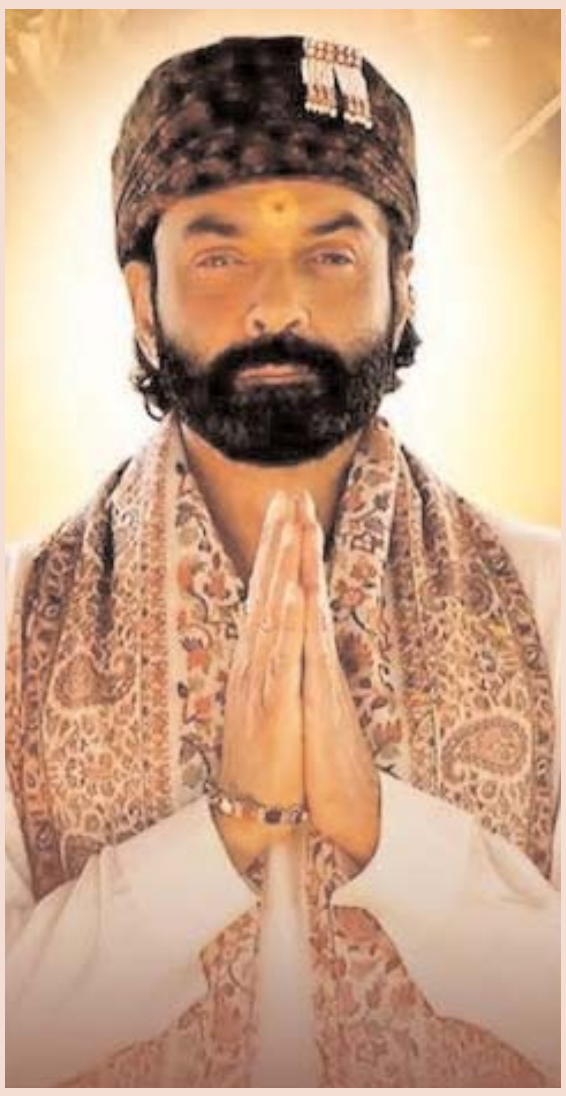

बॉबी देओल की चर्चित वेब सीरीज 'आश्रम' के अगले सीजन का इंतजार कर रहे फैंस के लिए अच्छी खबर है। सीरीज के चौथे सीजन की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पूरी हो गई है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी है। इस खबर के सामने आने के बाद से ही दर्शकों के बीच सीरीज को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

'आश्रम 4' की शूटिंग हुई पूरी

प्रकाश झा प्रोडक्शंस और अभिनेता बॉबी देओल ने इंस्टाग्राम पर एक साझा पोस्ट के जरिए 'एक बदनाम... आश्रम' सीजन 4 की शूटिंग पूरी होने का एलान किया। मेकर्स ने इस मौके पर सेट की एक बिहाइंड द सीन तस्वीर भी शेयर की, जिसमें निर्देशक प्रकाश झा, बॉबी देओल और सीरीज की टीम के अन्य सदस्य नजर आ रहे हैं। तस्वीर पर 'इट्स अ रैप!' लिखा हुआ है।
पोस्ट के साथ मेकर्स ने लिखा, 'और इसी के साथ 'आश्रम' सीजन 4 की शूटिंग पूरी हुई। यह सफर जुनून, टीमवर्क और कई यादगार पलों से भरा रहा। हर फ्रेम के पीछे मेहनत करने वाली शानदार टीम के नाम।'
इस पोस्ट में स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर बाय प्राइम वीडियो के साथ शो के कई कलाकारों और क्रू मेंबर्स को भी टैग किया गया है।

बाबा निराला के किरदार में दिखेंगे बॉबी देओल

प्रकाश झा के निर्देशन में बनी 'आश्रम' में बॉबी देओल बाबा निराला के किरदार में नजर आते हैं। सीरीज में वह एक ऐसे स्वयंभू बाबा की भूमिका निभा रहे हैं, जो धर्म और आस्था के नाम पर लोगों का भरोसा जीतकर अपना बड़ा साम्राज्य खड़ा करता है। हालांकि, उसके इस साम्राज्य के पीछे राजनीति, अपराध और अंधविश्वास का गहरा खेल छिपा है। सीरीज की कहानी बाबा निराला के काले कारनामों और उसके प्रभाव के इर्द-गिर्द घूमती है।

कई कलाकारों की होगी वापसी

सीरीज के चौथे सीजन में चंदन रॉय सान्याल, अदिति पोहनकर, त्रिधा चौधरी, परिणीता सेठ, सचिन श्रॉफ, नीतू चंद्रा श्रीवास्तव, अक्षय ओबेरॉय, चैतन्य चौधरी, पंखुड़ी गिडवानी समेत कई कलाकार नजर आएंगे। शूटिंग पूरी होने के बाद अब दर्शकों को इसके रिलीज होने का इंतजार है। फिलहाल मेकर्स ने 'एक बदनाम... आश्रम' सीजन 4 की रिलीज डेट का ऐलान नहीं किया है। सीरीज एमएक्स प्लेयर बाय प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

इंडियाज गॉट लेटेंट 2: 'कुछ ज्यादा ही...', पूनम पांडे का एपिसोड नहीं हुआ रिलीज; पोस्ट शेयर कर समय पर कसा तंज

'इंडियाज गॉट लेटेंट' का दूसरा सीजन खत्म हो चुका है, लेकिन इसमें पूनम पांडे की मौजूदगी वाला एपिसोड अब तक रिलीज नहीं हुआ है। इस बात को लेकर अभिनेत्री ने मजाकिया अंदाज में समय रैना पर तंज कसा है।

पूनम ने शेयर कीं समय रैना के साथ तस्वीरें

रविवार, 22 नवंबर को पूनम पांडे ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'इंडियाज गॉट लेटेंट सीजन 2' के सेट की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में वह समय रैना के साथ नजर आ रही हैं। उनके अलावा पैनल में शामिल बलराज घई, महीप सिंह और मधुर विर्ली भी तस्वीरों में दिखाई दिए। हालांकि, इन तस्वीरों से ज्यादा लोगों का ध्यान पूनम के कैप्शन ने खींचा। उन्होंने लिखा, 'लगता है मेरा सीजन टू का एपिसोड कुछ ज्यादा ही विवादित था... इसीलिए पोस्ट नहीं किया।'

एपिसोड रिलीज न होने पर फैंस के बीच चर्चा

पूनम के इस मजाकिया पोस्ट के सामने आने के बाद फैंस के बीच उनके एपिसोड को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। कई लोग जानना चाहते हैं कि आखिर शो के दूसरे सीजन का फिनाले होने के बाद भी उनका एपिसोड रिलीज क्यों नहीं किया गया।
हालांकि, अभी तक इस बात की आधिकारिक वजह सामने नहीं आई है कि पूनम पांडे वाला एपिसोड रिलीज क्यों नहीं हुआ। अभिनेत्री ने भी अपने

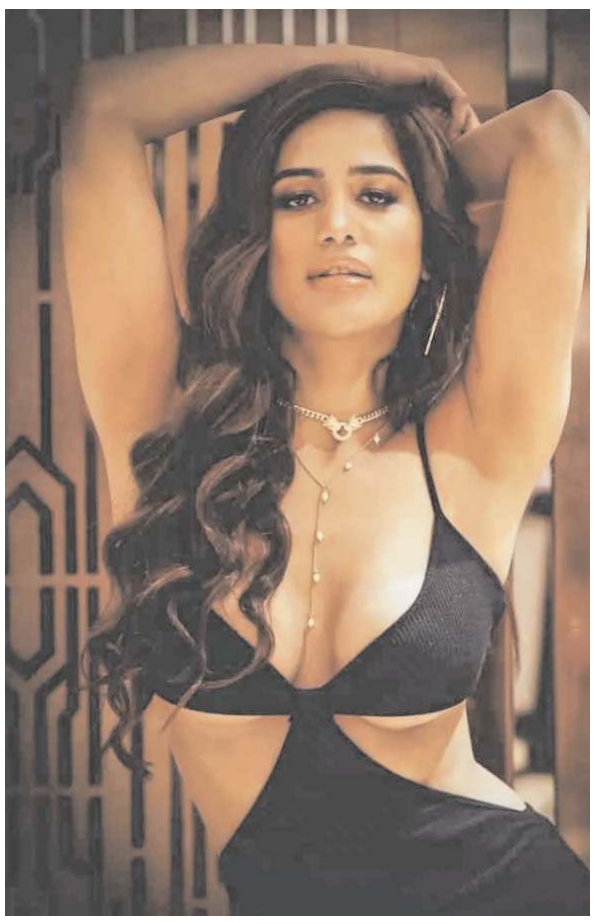

पोस्ट में इसकी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। उनका यह बयान सिर्फ मजाकिया अंदाज में की गई टिप्पणी नजर आता है।

अहान पांडे और अनीत पड्डा: एयरपोर्ट पर कैमरों से बचते दिखे 'सैयारा' स्टार्स

फिल्म सैयारा के बाद से ही अहान पांडे और अनीत पड्डा के रिलेशनशिप में होने की चर्चाएं जारी हैं। फिल्म में दोनों कपल के तौर पर नजर आए थे। अब इसके बाद दोनों एक्टर्स एयरपोर्ट पर स्पॉट किए गए। इसके बाद दोनों सोशल मीडिया पर सुर्खियों में आ गए हैं।

वायरल हुआ दोनों का वीडियो

वीडियो में दोनों एक्टर्स को जल्दी-जल्दी चलते हुए देखा गया, जहां उन्होंने अपने चेहरे मास्क और हाथों से ढक रखे थे ताकि कैमरों से बच सकें। अनीत पड्डा ने इस दौरान क्रॉप टॉप और कैशुअल पैंट पहनी हुई थी, जबकि अहान व्हाइट टी शर्ट, हुडी और जींस में नजर आए। दोनों ने मास्क भी लगाया हुआ था। जैसे ही पैपराजी ने उन्हें घेरा, दोनों थोड़े असहज नजर आए और बिना ज्यादा रुकावट के आगे बढ़ते दिखे।

सोशल मीडिया पर चर्चा तेज

वीडियो सामने आते ही फैंस के बीच हलचल मच गई। कई लोगों ने दोनों की जोड़ी को लेकर एक्साइटमेंट जताई, वहीं कुछ ने कहा कि नए स्टार्स होने की वजह से वे अभी पब्लिक अपीयरेंस में सहज नहीं हैं।

एक्टर्स का वर्कफ्रंट

फिल्म 'सैयारा' की सफलता के बाद दोनों लगातार सुर्खियों में हैं। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेता अहान पांडे की नई फिल्म का ऐलान हो गया है। वह अली अब्बास जफर की फिल्म में शरवरी के साथ दिखाई देंगे। वहीं अनीत पड्डा



मेडॉक स्टूडियोज की अगली फिल्म शक्ति शालिनी में नजर आएंगी, जो इसी साल दिसंबर में रिलीज हो सकती है।

'मैं वापस आऊंगा' की खराब ओपनिंग से टूट गई थीं शरवरी!

शरवरी ने हाल ही में अमर उजाला से बातचीत में एक फिल्म की खराब ओपनिंग के बाद वेदांग के साथ हुई बातचीत का किस्सा साझा किया। इसके अलावा उन्होंने असफलता से उबरने के अपने तरीके, लड़कियों को लेकर समाज की सोच और मानसिक स्वास्थ्य पर भी बात की।

फिल्म की असफलता पर क्या बोलीं एक्ट्रेस

फिल्म नहीं चलती तो कलाकार पर उसका कितना असर पड़ता है? इस सवाल पर शरवरी कहती हैं, 'फिल्म नहीं चलती तो दुख तो होता ही है। आप इतनी मेहनत करते हैं। इसमें सिर्फ आपकी मेहनत नहीं, पूरी टीम की मेहनत होती है। फिल्म से लगाव हो जाता है। आप उसे सिर्फ एक प्रोजेक्ट की तरह देखना बंद कर देते हैं। वह आपकी अपनी चीज बन जाती है। फिल्म सफल होती है तो ऐसा लगता है कि पूरी दुनिया आपके इर्द-गिर्द घूम रही है।'
उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं निजी तौर पर बहुत जल्दी आगे बढ़ जाती हूं। मुझे लगता है कि हमेशा दूसरा मौका होता है। आप और भी बहुत कुछ कर सकते हैं। मेरा मानना है कि मुझे अपनी फिल्म परिवार और दोस्तों के साथ देखनी है। जब तक मैं उनके साथ फिल्म नहीं देख लेती, मेरे लिए वह फिल्म चल रही होती है। मैं बहुत खुश और सकारात्मक रहती हूं। लोग क्या कहते हैं, इससे मुझे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। परिवार के साथ फिल्म देखने और जश्न मनाने के बाद मैं फिल्म का जो भी नतीजा होता है, उसे स्वीकार कर लेती हूं।'

खराब ओपनिंग पर भी दिया हौसला

शरवरी ने 'मैं वापस आऊंगा' की ओपनिंग का अनुभव भी साझा किया। फिल्म की शुरूआत अच्छी नहीं हुई तो उन्हें और वेदांग को बुरा लगा था। उस वक्त दोनों ने एक-दूसरे को समझाया कि अभी उम्मीद बाकी है। वह कहती हैं, 'जब 'मैं वापस आऊंगा' की ओपनिंग अच्छी नहीं हुई थी, तब हमें बहुत बुरा लगा था। मुझे याद है, वेदांग और मैं इस बारे में बात कर रहे थे। हम दोनों को वाकई बहुत बुरा लग रहा था, लेकिन एक-दूसरे को समझा रहे थे कि अभी कुछ भी हो सकता है। लोग कह रहे थे कि फिल्म अच्छी है, इसलिए हमें उम्मीद थी कि आगे चीजें बदल सकती हैं। मन में बुरा तो लग रहा था, लेकिन हम एक-दूसरे का हौसला बढ़ा रहे थे।'
वह आगे बताती हैं, 'मुझे याद है, सोमवार को चीजें बदलने लगी थीं। ओपनिंग अच्छी नहीं हुई थी, लेकिन दो दिन बाद फिल्म ने रफ्तार पकड़ ली। हमने एक अलग ही दुनिया देखी। फिल्म की शुरूआत भले ही धीमी रही ..लेकिन बाद में उसका ग्राफ तेजी से ऊपर गया।'

एक्ट्रेस ने बताई लड़कियों की चुनौतियां

फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में शरवरी एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो अपने काम को लेकर गंभीर है और परिवार की जिम्मेदारी भी उठाती है। अपने फैसलों पर कायम रहने वाली ऐसी लड़कियों को असल जिंदगी में कई बार 'ट्रबल मेकर' कह दिया जाता है। शरवरी भी मानती हैं कि लड़कियों और लड़कों के लिए समाज के पैमाने अलग हैं।
इस बारे में वह कहती हैं, 'मैं बहुत प्रगतिशील परिवार से आती हूं, इसलिए मैंने खुद ऐसा अनुभव नहीं किया है। लेकिन मेरी बहुत सारी सहेलियों के साथ ऐसा हुआ है। अगर आप बहुत महत्वाकांक्षी हैं और सिर्फ अपने काम पर ध्यान देते हैं, तो कई बार लोग आपको ट्रबल मेकर कहने लगते हैं। दुर्भाग्य से ये शब्द लड़कों के लिए इस्तेमाल नहीं होते। उनके लिए तो महत्वाकांक्षी होना सामान्य बात है।'
शरवरी ने कहा कुछ तो लोग कहेंगे उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि समाज बदल चुका है। वरना हर लड़की पढ़-लिखकर काम पर क्यों जाती? इसका श्रेय हमारे माता-पिता को जाता है। उन्होंने अपने समय में संघर्ष करके बेटियों को पढ़ाया-लिखाया और उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। हमारी भी जिम्मेदारी बनती है कि हम कुछ बदलाव लाएं और उनके लिए कुछ करें। अब लोगों को जो कहना है, कहेंगे... कुछ तो लोग कहेंगे।'

मानसिक स्वास्थ्य पर क्या बोलीं शरवरी?

शरवरी से पूछा गया कि अगर उन्हें अपने आसपास कोई एक बदलाव लाने का मौका मिले तो वह क्या करना चाहेंगी। इस पर उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य की बात की। उनका कहना है कि इस बारे में लोगों को खुलकर बात करनी चाहिए। वह कहती हैं, 'मैं चाहूंगी कि लोग मानसिक स्वास्थ्य को कभी नजरअंदाज न करें।
लड़के हों, लड़कियां हों या किसी भी उम्र के लोग, सभी को इसका ध्यान रखना चाहिए।'
वह आगे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि सबसे आसान तरीका बातचीत है। अगर आपको कभी लग रहा है कि आप उदास हैं या अच्छा महसूस नहीं कर रहे हैं, तो उसे अपने अंदर न रखें। उम्मीद है कि आपके पास कोई ऐसा व्यक्ति हो, जिसका आप सहारा ले सकें। या फिर आप किसी और का सहारा बनें। इन बातों पर खुलकर



बातचीत होनी चाहिए। इस बारे में जागरूकता पहले से है, लोग बात भी कर रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इस पर और बात होनी चाहिए।'